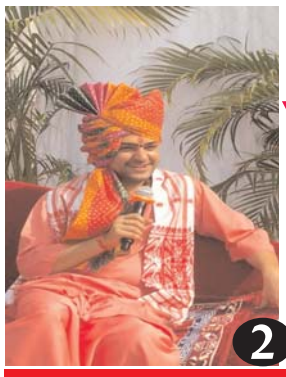

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

2 पेज

पेज 7

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 78 | ग्वालियर सोमवार, 26 दिसम्बर 2022 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

गाजीपुर में मजबूत लोकतंत्र के बारे में बोले मनोज सिन्हा, कहा- जातिवादी और परिवारवादी दलों के ख़ात्म के बाद आएगी मजबूती

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय जनता पार्टी की स्थापना कर भारत में दो दलीय राजनीतिक प्रणाली को बनाने की शुरुआत कर दी थी, जिसकी पूर्णता का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं और उनको पार्टी के महान कार्यकर्ताओं और जनता का भरपूर सहयोग मिल रहा है.

बन रहा है अटल जी के सपनों का भारत-सिन्हा ने कहा कि मोदी आज देश के दलितों, अतिपिछड़ों, आदिवासियों का विकास करते हुए देश का सर्वांगीण विकास कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि मोदी जी महामना मालवीय जी के सपनों को साकार करने के साथ-साथ अटल जी के सपनों का भारत बनाते आ रहे हैं. उन्होंने इस बात को अपना सौभाग्य बताया कि अटल जी की सरकार के समय वह भी लोकसभा सदस्य (ग़ाजीपुर संसदीय क्षेत्र) रहे थे.

गरीबों, वंचितों की आर्थिक स्थिति को सरकार दे रही मजबूती-जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानते हैं कि गरीबों दलितों, आदिवासियों, वंचितों, उपेक्षितों को आगे बढ़ा कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत कर ही भारत को विकसित बनाया जा सकता है. वह कार्य पूरी तरह से अब अटल बिहारी वाजपेयी जी के बाद इस समय हो रहा है. सिन्हा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उनके और मदन मोहन मालवीय के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया.

बीजेपी को गुस्सा करने की क्या जरूरत, ये सच है कि... ख़रगे के कुत्ते वाले बयान पर संजय राउत

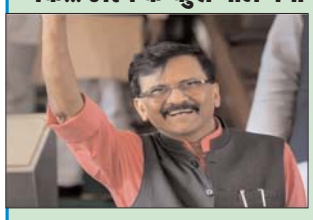

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने मल्लिकार्जुन खरगे और अमृता फडणवीस के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया दी. राउत ने पार्टी के मुखपत्र सामना में कांग्रेस अध्यक्ष के कुत्ते वाले बयान को लेकर बीजेपी पर तंज कसते हुए लिखा कि ये सच है कि बीजेपी के पास अपने नायक नहीं हैं और इसलिए उसे उन आइकनों को चुराना पड़ता है जो मुख्य रूप से कांग्रेस से थे.

संजय राउत ने लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में बीजेपी का एक कुत्ता भी नहीं मरा. इस टिप्पणी ने बीजेपी नेताओं को उकसाया, लेकिन खरगे जी ने जो कहा वो सच है. नाराज होने की क्या बात है। क्या बीजेपी के पास इसका कोई जवाब है।

क्या कहा था मल्लिकार्जुन खरगे ने-गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस के नेताओं ने आजादी के लिए अपनी जान दी, आपने क्या किया क्या आपके घर का कुत्ता भी देश के लिए मरा है क्या किसी ने कोई कुर्बानी दी हैनहीं, फिर भी बीजेपी देशभक्त होने का दावा करती है और हमें देशद्रोही करार दिया जाता है.

अमृता फडणवीस के बयान पर बोले संजय राउत-उन्होंने कहा कि, ÷एक तरफ मल्लिकार्जुन खरगे के बयान ने बीजेपी को असहज कर दिया और दूसरी तरफ अमृता फडणवीस ने पीएम मोदी को न्यू इंडिया का राष्ट्रपिता कहा.

कश्मीर में आतंक का सफाया करने में सेना को मिली सफलता

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में आतंक का सफाया करने में भारतीय सेना को सफलता मिली है. इतना ही नहीं आतंकवादी अब हथियारों की कमी से भी जूझ रहे हैं. इस बात की जानकारी भारतीय सेना ने दी है. कश्मीर घाटी में सुरक्षाबलों ने आतंक विरोधी अभियानों को तेज कर दिया है और सक्रिय आतंकवादियों की संख्या कम से कम रखने का लक्ष्य बनाया है. सेना को इसमें सफलता भी मिली है. भारतीय सेना के अधिकारियों का कहना है कि घाटी में भारतीय सेना सतर्क है और कश्मीर में किसी भी घुसपैठ की अनुमति नहीं दी जाएगी.

उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान सीमा पार से घाटी में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने के लिए आतंकवादियों को अपनी ओर खीचने की कोशिश कर रहा है. इसके अलावा, केवल नागरिकों को निशाना बनाने के लिए पाकिस्तान छोटी बंदूकें भी भेज रहा है लेकिन हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे. इन सबके बीच भारतीय सेना ने उरी के रामपुर सेक्टर में एक ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया. ये ऑपरेशन बीते शनिवार 24 दिसंबर को एलओसी के पास चलाया गया था. दरअसल, सेना को गोला बारूद और हथियारों की बड़ी खेप की सूचना मिली थी, जिसके बाद एक साझा अभियान चलाया गया. इस अभियान में 8 एके74 यू, 24 एके74 की मैगजीन, 12 चाइनीज पिस्टल, 24 पिस्टल की मैगजीन, 9 चीनी ग्रेनेड, 5 पाकिस्तानी ग्रेनेड, 5 गेहूं की बोरियां, 81 पाकिस्तानी गुब्बारे, 560 एके47 राइफल के राउंड्स और पिस्टल के 244 राउंड्स बरामद हुए. अधिकारियों ने बताया है कि ये नियंत्रण रेखा के पास अंजाम दिया गया हाल के सालों में सबसे बड़ी रुकावट है. तो वहीं बारामूला के एसएसपी रईस मुहम्मद भट ने कहा कि ये जो गुब्बारे मिले हैं वो जम्मू के इलाकों में ज्यादा भेजे जाते थे लेकिन पहली बार कश्मीर घाटी की तरफ भेजे गए हैं. ये कुछ हद तक घाटी में फिर से प्रचार भड़काने की ओर इशारा कर रहा है.

भारत में कोरोना के बीएफ.7 से नहीं होंगे चीन जैसे हालात

सीएसआईआर-कोशिकीय आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत में कोरोना वायरस के बीएफ.7 स्वरूप का चीन जितना गंभीर प्रभाव होने की आशंका कम है, क्योंकि भारतीयों ने पहले ही 'हर्ड इम्युनिटी' हासिल कर ली है.सीसीएमबी के निदेशक विनय के नंदीकूरी ने कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हमेशा एक चिंता बनी रहती है कि इन सभी स्वरूपों में प्रतिरोधक प्रणाली से बचने की क्षमता होती है और ये उन लोगों को भी संक्रमित कर सकते हैं, जिन्हें टीका लग चुका है और यहां तक कि जो ओमिक्रोन स्वरूप से संक्रमित हो चुके हैं.उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''मौजूदा स्वरूप का संक्रमण उतना गंभीर नहीं है, जितना कि वायरस के 'डेल्टा' स्वरूप का संक्रमण हुआ करता था. ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमारे पास एक हद तक 'हर्ड इम्युनिटी' है. वास्तव में हमारे पास 'हर्ड इम्युनिटी' है, क्योंकि हम अन्य वायरस के संपर्क में हैं.'' मीडिया रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि भारत में कोरोना वायरस के बीएफ.7

स्वरूप के चार मामले सामने आ चुके हैं.

चीन में जो हो रहा वो भारत में नहीं हो सकता-उन्होंने कहा, ''हमने (भारत) डेल्टा लहर देखी है, जो काफी गंभीर थी. हमने टीकाकरण किया है और फिर ओमिक्रोन लहर आई और हमने एहतियाती खुराक लगाना जारी रखा. हम कई मायनों में अलग हैं. चीन में जो हो रहा है, वह भारत में नहीं हो सकता है.'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारत में कोविड-19 के 201 नए मामले आए, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,397 हो गई.

चीन में कोरोना मचा रहा कोहराम-अधिकारी ने कहा कि चीन की अपनाई जाने वाली ''शून्य कोविड नीति'' देश में संक्रमण के तेजी से फैलने के मुख्य कारणों में से एक है. उन्होंने कहा कि टीकाकरण की कम दर ने भी वहां संक्रमण की गंभीरता को और बढ़ा दिया. नंदीकूरी ने कहा, ''भारत में टीकाकरण की दर अधिक है. बड़े पैमाने पर वृद्ध और अतिसंवेदनशील आबादी को एहतियाती खुराक भी दी गई है. हालांकि, इससे यह दावा नहीं किया जा सकता कि भारत में संक्रमण की कोई लहर नहीं आ सकती, लेकिन अभी ऐसा नहीं लगता है कि संक्रमण की कोई लहर तुरंत आ रही है.''

दिल्ली एयरपोर्ट पर पुलिस कर्मियों ने मस्कट और कतर से आए यात्रियों से लूट लिया 50 लाख का सोना, गिरफ्तार

दिल्ली। पुलिस के दो कर्मियों ने 20 दिसंबर को आईजीआई हवाई अड्डे (पर क्रमशः मस्कट और कतर से आए दो यात्रियों से जांच के नाम पर 50 लाख रुपये मूल्य का लगभग 1 किलो सोना ले लिया. दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस तरह से सोना चोरी के आरोप में दोनों पुलिसवालों को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है.दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन पर दिल्ली पुलिस के इन दोनों कांस्टेबल की तैनाती की गई थी. दोनों दिल्ली एयरपोर्ट के थाने के स्पेशल ऑपरेशन स्क्वाड में तैनात थे. 50 लाख रुपये का गोल्ड लूटने का खुलासा होने के बाद दिल्ली पुलिस के अफसर हरकत में आए और दोनों की गिरफ्तारी का आदेश दिया.

पुलिस वालों ने जांच के नाम पर लूट लिया सोना-दरअसल, 20 दिसंबर को कुछ यात्री मस्कट और कतर से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे थे. ये सभी मजदूर वर्ग के लोग थे और कथित रूप से वे अपने साथ वहां से काफी मात्रा में सोना लेकर आए थे. दोनों हेड कांस्टेबल ड्यूटी पर थे और जब मजदूरों की जांच कर रहे थे तो उनके पास सोना निकला, पूछताछ पर उन्होंने बताया कि वे अपने मालिक का सोना चुराकर लाए हैं. पुलिसवालों ने जांच के नाम पर मजदूरों से पूरा सोना छीन लिया.

शादी की जिद कर रही प्रेमिका को प्रेमी ने बुरी तरह पीटा

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में एक प्रेमी युवक ने प्रेमिका की पिटाई कर दी. युवती ने जब थाने में शिकायत की तो पुलिस ने युवक से पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया. लेकिन जब युवक की बरूरता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों ने पुलिस की लापरवाही पर आक्रोश दिखाया और बरूर युवक को कड़ी सजा देने की मांग की तो पुलिस हरकत में आई और युवक को गिरफ्तार किया. वायरल वीडियो में युवक अपनी प्रेमिका के चेहरे पर लात-घूंसे बरसाता दिख रहा है. पुलिस ने जानकारी दी है कि 19 वर्षीय एक युवती की कथित तौर पर पिटाई करने वाले 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है. समाचार एजेंसी एएनआई ने सब-डिवीजनल पुलिस नवीन तिवारी के हवाले से कहा, ÷पीड़िता ने कहा है कि जब वे ढेरा में अपने पैतृक घर जा रहे थे तो रास्ते में आरोपी पंकज त्रिपाठी ने उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी.

एल यु टीचर्स की रिटायरमेंट उम्र बढ़कर हो जाएगी 65 साल, हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को दिया निर्देश

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों की रिटायरमेंट उम्र 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष की जाए. न्यायालय ने यह निर्णय जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की सिंगल बेंच ने यह आदेश डॉक्टर प्रेम चंद्र मिश्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया. न्यायालय ने कहा कि सम्बंध में संशोधन तीन माह के भीतर कर लिए जाएं.याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वे 65 वर्ष की आयु तक संबंधित विश्वविद्यालय में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखने के हकदार थे और समान स्थितियों में न्यायालय की एक समन्वय पीठ से पारित तीन समान आदेशों पर निर्भर थे.

अटल जी हमेशा मुझेः नीतीश कुमार ने पूर्व पीएम की जयंती पर उन्हें किया याद

नई दिल्ली। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने उन्हें याद किया. बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है, यही वजह है कि हम उनकी जयंती पर राज्य समारोह मना रहे हैं. एक सांसद के तौर पर मैं हमेशा उनके सभी भाषणों को ध्यान से सुनता था. तब मुझे उनके मंत्रिमंडल में तीन विभागों के साथ मंत्री रहने का सौभाग्य मिला था. पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर रविवार (25 दिसंबर) को पटना के पाटलिपुत्रा पार्क में राजकीय जयंती समारोह का आयोजन किया गया. इस मौके पर सीएम नीतीश कुमार ने अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा कि वह दिवंगत नेता की सलाह को कभी नहीं भूल सकते, जिन्होंने उन पर इतना प्यार और स्नेह बरसाया था.

हमको बहुत मानते थे अटल जी-नीतीश कुमार ने आगे कहा कि अटल जी हमेशा मुझे प्यार और स्नेह देते थे और हमको बहुत मानते थे. मेरे सभी प्रस्तावों को उनकी त्वरित स्वीकृति मिल जाती थी. मैं वह सब नहीं भूल सकता. उन्होंने बीजेपी के वर्तमान नेतृत्व पर उस उदारता की कमी का आरोप लगाया जो वाजपेयी युग की विशेषता थी.

कोरोना पर क्या बोले नीतीश कुमार-कोरोना के खतरे को लेकर उन्होंने कहा कि चीन में शुरू हुए कोविड के एक नए उछाल से पैदा होने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए बिहार पूरी तरह से तैयार है. कोरोना तेजी से कई देशों में फैल गया है और आशंका है कि यह भारत को प्रभावित कर सकता है. सीएम ने कहा कि हम हर दिन लगभग 50,000 टेस्ट कर रहे हैं. हम हर दिन लगभग 5,000 लोगों का टीकाकरण भी कर रहे हैं.

पेपर लीक पर जांच के आदेश दिए-मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बिहार कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित एक परीक्षा के प्रश्नपत्र के लीक होने के बारे में भी पूछा गया. सीएम ने कहा कि खबर मिलते ही मैंने जांच के आदेश दे दिए थे. मामले को सभी एंगल से देखा जा रहा है.

बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने 3 सदस्यों को पार्टी से निकाला, बीजेपी प्रत्याशी का कर रहे थे समर्थन

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने जिला परिषद के चुनावों में पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते बसपा के तीन सदस्यों को पार्टी से निष्कासितकर दिया है. बसपा सुप्रीमो ने यमुनानगर जिला परिषद रने की वजह से पार्टी से निष्कासित कर दिया है. बसपा ने शनिवार को जारी किए गए एक बयान में कहा कि सुशीला रानी, अग्नि विजय सिंह और सुमन रानी ने अपनी पार्टी के खिलाफ जाकर यमुनानगर जिला परिषद के अध्यक्ष पद के लिए बीजेपी के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया. इसके पहले 30 अक्टूबर को हुए चुनाव में यमुना नगर जिला परिषद के वार्ड 11, वार्ड 13 और वार्ड 16 से तीनों को सदस्य चुना गया था.

नए सियासी समीकरण की तलाश में बसपा-20 दिसंबर को बसपा विश्वनाथ पाल को बसका का उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाया था. आने वाले चुनावों को देखते हुए अब बहुजन समाज पार्टी ने

प्रदेश अध्यक्ष बदलकर दलित, पिछड़ा और मुस्लिम कॉम्बिनेशन बनाकर एक साथ लाने की जुगत में लगी है. मायावती ने इसी वजह से उत्तर प्रदेश में बसपा का नया प्रदेश अध्यक्ष चुनकर नया दांव खेलने का प्रयास किया है. राजनीतिक जानकारों की मानें तो मायावती ने लोकसभा चुनाव से पहले अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के सहारे भगवा वोटबैंक बढ़ाने की भाजपा की रणनीति को निशाने पर लिया है.

सपा को भी दी है चुनौती-अयोध्या के रहने वाले विश्वनाथ पाल ओबीसी समुदाय से हैं अब बसपा ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाकर बीजेपी के सहयोगी दलों अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के वोटरों में सेंधमारी की कोशिश की है. दूसरी ओर ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष के जरिये बसपा ने सपा को भी चुनौती देने का प्रयास किया है. हालांकि इससे पहले भी अति पिछड़ा राजभर समाज से बसपा का अध्यक्ष था.मैनपुरी और खतौली के उपचुनाव में आए परिणामों को देखने के बाद मायावती ने बड़ा बदलाव किया है.

'चीन आर्थिक रूप से मजबूत, भारत में लड़ाई और नफरत का माहौल', राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला

नई दिल्ली। जोड़ो यात्रा के दौरान बीते दिनों हरियाणा में पूर्व सैनिकों के बीच राहुल ने कहा कि चीन ने हमारी जमीन छीनी, पीएम ने देश से झूठ बोला. भारत सरकार चुप नहीं बैठ सकती. सीमा पर जो हुआ है सरकार को देश को बताना चाहिए और आज से ही कार्रवाई शुरू करनी चाहिए. पहले हमारे दो दुश्मन थे, चीन और पाकिस्तान. हमारी नीति दोनों को अलग करके रखने की थी.पहले कहा जाता था कि ढाई मोर्चों पर लड़ाई है. चीन, पाकिस्तान और आतंकवाद लेकिन आज एक ही मोर्चा है. चीन और पाकिस्तान एक हो गए हैं. अब अलग-अलग युद्ध नहीं होगा, दोनों के साथ एकसाथ होगा. राहुल गांधी ने आगे कहा कि चीन और पाकिस्तान मिल कर भारत पर हमले की तैयारी कर रहे हैं.

चीन आर्थिक रूप से मजबूत है, जबकि भारत में लड़ाईङ्कझगड़ा और नफरत का माहौल है.

राहुल गांधी का चीन को लेकर दावा-राहुल गांधी ने दोहराया कि चीन ने लद्दाख में भारत की दो हजार स्क्वायर किलोमीटर जमीन छीन ली है. वो सीमा के अंदर बैठे हैं. पीएम ने देश को झूठ बोला कि कोई अंदर नहीं आया. चीन हमारी जमीन के अंदर बैठा है. राहुल ने कहा कि चीन आर्थिक रूप से बेहद मजबूत है जबकि साल 2014 के बाद से हमारी अर्थव्यवस्था कमजोर हो गई है. हमारे देश के अंदर लड़ाई झगड़ा, असमंजस और नफरत है. अभी भी हमारी ढाई मोर्चों की मानसिकता है. हमारी मानसिकता संयुक्त कार्रवाई की नहीं है. भारत की स्थिति बेहद कमजोर है.

'चीन और पाकिस्तान झटका देने की तैयारी में'-राहुल ने कहा कि चीन और पाकिस्तान एक साथ हमें झटका देने की तैयारी कर रहे हैं. भारत सरकार चुप नहीं बैठ सकती. सीमा पर जो हुआ है सरकार को देश को बताना चाहिए और आज से ही कार्रवाई शुरू करनी चाहिए. बल्कि कार्रवाई हमें पांच साल पहले शुरू करनी चाहिए थी. जल्दी कार्रवाई नहीं की तो देश का बड़ा नुकसान होने वाला है.राहुल ने कहा कि अरुणाचल और लद्दाख में जो हो रहा है उससे मैं बेहद चिंतित हूं. गलवान और डोकलाम आपस में जुड़े हैं. ये चीन की रणनीति का हिस्सा है ताकि वो आज नहीं तो कल पाकिस्तान के साथ मिलकर हम पर हमला कर सके.

राम नाम से राम सेतु बना और राम से तू बनाः पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी

ईसाई धर्म में गये लोगों ने फिर अपनाया हिन्दू सनातन धर्म, यह आस्था विश्वास की कथा है,पैसों से खरीदी नहीं जा सकतीः अजय टंडन

पुष्पांजली टुडे

दमोह। स्थानीय होमगार्ड ग्राउंड पर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर परम वंदनीय पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज की 9 दिवसीय राम कथा आयोजित की जा रही है कथा के दूसरे दिन रविवार को कथा के दौरान बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने प्रवचनों के दौरान राम सेतु को लेकर व्याख्या करते हुए कहा कि रामसेतु बना अर्थात राम से तू बना। गुरु जी ने सरल की व्याख्या करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को सरल बनना चाहिए उन्होंने सरल की व्याख्या करते हुए कहा कि स से सीता र से राम, और ल से लक्ष्मण अर्थात जो व्यक्ति सरल होता है उनमें राम लक्ष्मण जानकी विराजमान होते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में अगर कुछ बनना है तो सरल बनना चाहिए। कथा संयोजक अजय टंडन ने कहा कि होमगार्ड मैदान पर जो श्री राम कथा आयोजित की जा रही है यह आस्था विश्वास की कथा है इसे पैसों से खरीदा नहीं जा सकता।

कथा स्थल पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल-श्री राम कथा के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने श्रीरामचरितमानस एवं गुरु जी का माल्यार्पण से स्वागत किया।धर्म परिवर्तन करने वाले 150 परिवार के 328 लोगो ने वापिस सनातन धर्म शामिल होकर बालाजी सरकार के समक्ष हिंदू समाज में पुनः शामिल होकर गुरुदेव का धन्यवाद किया जिनके आशीर्वाद से यह संभव हुआ। धर्म परिवर्तन करने वाले लोगो ने मंच पर बताया कि यह किस तरह धर्म परिवर्तन कर ईसाई बने थे। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने सुबह कृष्णा हाइट्स में सैकड़ों भक्त से मुलाकात की। इनमें महिला-पुरुष, बच्चे सभी शामिल थे। बागेश्वर सरकार ने सभी लोगों को शपथ दिलाई कि वे अब कभी अपना धर्म नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने सभी धर्म वापसी करने वालों को आशीर्वाद दिया।

बागेश्वर धाम सरकार ने दिलाई शपथ-सभी दमोह वासी यह संकल्प लो कि,आज से हमेशा जीवन पर्यन्त अपने संतों की, सनातन धर्म की रक्षा के लिए प्राण दे देंगे, परंतु भूलकर भी अन्य किसी धर्म में नहीं जाएंगे। हम शपथ लेते है श्री हनुमानजी महाराज, रविदास महाराज, मीराबाई, महर्षि वाल्मिकी, गोस्वामी तुलसीदास, जागेश्वर महादेव, बागेश्वर बाला जी, इनके चरणों की सौगंध खाते हैं, हम भूलकर भी कभी दूसरे धर्म में नहीं जाएंगे। हमसे जो गलती हुई है, हमसे जो भूल हुई है दूसरे धर्म में जाने की प्रभु हमें क्षमा करो, हनुमानजी हमें क्षमा करो, महर्षि वाल्मिकी हमें क्षमा करो, गोस्वामी तुलसीदास हमें क्षमा करो.. सब संतों की जय हो। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर ने धर्म परिवर्तन करने वाले लोगो से कहा इसमें आपकी भी गलती है। न लालच में जाते, न उनके चक्कर में पड़ते। आप उस सनातन धर्म से हैं, जहां आपके पूर्वजों पर कई विपत्तियां आई, उन्होंने अपना सिर तक काटकर दिखा दिया था। हम कोई चमत्कारी नहीं हैं, कोई भगवान नहीं हैं, लेकिन संतों के प्रताप से इतना जानता हैं, संतों की कृपा से भगवान की शरण में आओगे, हनुमान जी की ध्याओगे... तो तुम्हें कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ईश्वर आप पर हर दिन कृपा करेंगे।

सबसे एक-एक मिनट मिलेगे गुरुजी-वापस सनातनी धर्म में आने वाली परिवारों से गुरुजी अलग-अलग मिलेगे। उन्होंने कहा कि परसों का दरबार हो जाने दो। यहीं पर हम तीन दिन बाद आप सबसे एक-एक मिनट मिलेंगे। आप सबकी अर्जी भी लगा देंगे, जिससे बागेश्वर बालाजी महाराज की कृपा आप पर बनी रहे। आज आरती करो। घर पर झंडा लगाओ। जो बीत गया सो बीत गया, मन में कोई मलाल मत रखना। आप से अब हाथ जोड़कर विनती है कि अब ऐसी गलती मत करना। समाज की नाक नहीं कटवाना। आप उस समाज से हो, जिसने बड़ी-बड़ी परीक्षाएं दी हैं।

उमड़ा पड़ा आस्था का जन सैलाब-श्री राम कथा के दौरान जिले के अलावा प्रदेश एवं देश के कई प्रदेशों से श्री राम भक्त दमोह पहुंच रहे हैं रविवार को यह तादाद 1 लाख से बड़कर करीब सवा लाख के करीब पहुंच गई जैसे ही प्रवचन समाप्त हुए शहर के हर रास्ते पर प्रवचन सुनकर लौटने वालों की भीड़ लाखों से हजारों में परिवर्तित होती दिखी हालांकि एडिशनल एसपी शिवकुमार से भारी पुलिस फोर्स के साथ ना केवल कथा पंडाल में बल्कि शहर के प्रत्येक मार्ग पर उन्होंने भारी पुलिस फोर्स लगा रखी थी जिससे श्री राम कथा के भक्तों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

सोमवार को लगेगा दिव्य दरबार-श्री बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित श्री धीरेंद्र शास्त्री जी के द्वारा सोमवार व मंगलवार को 2 दिन के लिए दिव्य दरबार लगाया जाएगा। जिसका समय सुबह 9:00 बजे से रखा गया है। कर्मक्रम का सीधा प्रसारण संस्कार टी.वी पर दोपहर 1 बजें से 4 बजें तक किया जा रहा है।

शहर के युवक ने यूट्यूब पर अपनी अलग पहचान बनायीं

पुष्पांजली टुडे

दमोह। कहते हैं कि हुनर है, तो सब है इसी बात को सिद्ध करते हुए दमोह के ग्राम लुहारी तहसील पटेरा के 26 वर्षीय युवक संदीप खरे ने यूट्यूब की दुनिया में अपना अलग ही मुकाम हासिल किया है। संदीप खरे जी का यूट्यूब पर एक फ्री ऑनलाइन कोचिंग के नाम से चैनल है जिस पर लगभग 11 लाख बच्चों ने सदस्यता ले रखी है। इन्होंने लाखों बच्चों के लिए फ्री में एजुकेशनल वीडियोस अपलोड करें हैं। संदीप ने बताया कि इन्हें यूट्यूब की तरफ से सिल्वर और गोल्ड प्ले बटन दोनों मिल चुके हैं।उन्होंने यह भी कहाँ कि आज के समय में जहां बेरोजगारी अपने चरम पर है, ऐसे में उन्होंने अपने हुनर को दिखाते हुये सोशल साइट यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर अपना एक अलग ही मुकाम बना लिया है,संदीप खरे मानते हैं कि पढ़ाना एक कला है। इसका किसी डिग्री से कोई लेना देना नहीं है। यही कारण है कि उन्हें यूट्यूब पर काफी अच्छी सफलता और बच्चों का प्यार मिला। बता दें कि यह अपने यूट्यूब चैनल पर कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के गणित एवं विज्ञान वर्ग के वीडियो बच्चों तक अपने चैनल के माध्यम से पहुँचाते हैं । समस्त दमोह वासियों कि ओर से बधाई, आप ऐसे ही शहर का नाम रोशन करें।

आदर्श गोठान कदलीमुड़ा में महात्मा गाँधी रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क का हुआ भूमिपूजन

संवाददाता हेमचंद नागेश कि रिपोर्ट

देवभोग विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कदलीमुड़ा के आदर्श गोठान में छत्तीसगढ सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल छत्तीसगढ़ महात्मा गांधी रूरल इंड्रस्ट्रीयल पार्क के लिए भूमिपूजन किया गया। इस योजना के तहत ग्राम पंचायत कदलीमुड़ा के गोठान का चयन हुआ है, जिसमे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़े महिलाओं के द्वारा हल्दी,मिर्च,मशाला, मशरूम,साबुन,डिटर्जेंट पाउडर,फिनाइल का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 3 एक जमीन चिन्हित कर लिया गया है। महात्मा गांधी रूरल इंड्रस्ट्रीयल पार्क का कार्य शुरू होने की खबर से ग्राम पंचायत कदलीमुड़ा के ग्रामीण व बिहान योजना से जुड़ी महिलाएं काफी उत्साहित दिख रही है। इस अवसर पर प्रमुख रुप से ग्राम पंचायत कदलीमुड़ा की सरपंच बेलमती पोर्टी उपसरपंच किशोर बिसी, गोठान समिति के अध्यक्ष मनमोहन नेताम, सचिव परमेश्वर शेट्टी, रोजगार सहायक चेतन नागेश,बालमती चौधरी,सुशीला नेताम, बलराम बीसी, निरंजन पंवार, सन्यासी मरकाम, झसकेतन बिसि, चेकरलाल नागेश, भगतराम नेताम के साथ ही साथ ग्राम प्रमुख व ग्रामीण उपस्थित रहे।

बांदकपुर धाम मंदिर द्वार से अतिक्रमण हटाने कि बात कहीः पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

पुष्पांजली टुडे

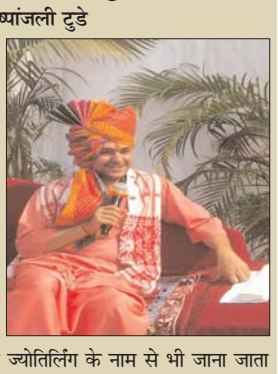

दमोह/बांदकपुर -पवित्र क्षेत्र जागेश्वरनाथ भोले की नगरी के भव्य दिव्य विकास का विषय है जिले के पत्रकार बन्धुओं से निवेदन कर खबर को प्रमुखता से दिखाने के लिए उन्होंने कहाँ। श्री जागेश्वर नाथ धाम बांदकपुर क्षेत्र का प्रमुख तीर्थ स्थल है जहाँ लाखों भक्तों का आना होता है और यह गौरव कि बात है आपके लिए और हमारे लिए क्योंकि यह शिवलिंग 13 वें ज्योतिर्लिंग के नाम से भी जाना जाता है,उन्होंने कहाँ मंदिर द्वार से अतिक्रमण हटाकर भोलेनाथ की नगरी को भव्य दिव्य स्वरूप देने के लिए पिछले वर्षों से लगातार अनेक भक्तों द्वारा आंदोलन चल रहा है। लेकिन आंदोलन को दबाने के लिए भी लगातार षड्यंत्र हुए प्रयास कर रहे भक्तों को अनेक बार परेशान किया गया लेकिन राजनेता व प्रशासन बांदकपुर के विषय पर मौन रहे। वहीं दमोह जिले में चल रही श्रीराम कथा के दौरान पत्रकार वार्ता में दमोह जिले के पत्रकार बंधुओं ने प्रमुखता से श्री बागेश्वर धाम सरकार के सामने बांदकपुर धाम मंदिर द्वार से अतिक्रमण हटाने व बांदकपुर धाम के संपूर्ण विकास की बात रखी जिस पर श्री बागेश्वर धाम सरकार जी ने फिर स्पष्ट रूप से दमोह जिले के राजनेताओं को जिला प्रशासन को शीघ्र अतिक्रमण हटाकर भव्य रूप देने के लिए कार्य करने की बात कही, उन्होंने कहा कि बार-बार बांदकपुर धाम का विषय बोला जा रहा है लेकिन हैरानी की बात है कि इतना कहने के बाद भी भोलेनाथ के कार्य मे देर हो रही है। दमोह जिले के राजनेता व प्रशासन शीघ्र ही बांदकपुर धाम के विषय पर कार्य करें और दमोह विधायक अजय टंडन को भी विशेष रूप से विधानसभा में बांदकपुर धाम के अतिक्रमण व विकास के विषय को उठाने के लिए कहां व सभी पक्ष पार्टी के राजनेताओ को भी बांदकपुर धाम के लिए कार्य करने की बात कही। दमोह जिले के बांदकपुर धाम के विकास के लिये आंदोलन कर रहे शिवभक्तों ने दमोह जिले के सभी पत्रकार बंधुओं का बहुत-बहुत आभार जताया कि उनके प्रयास से फिर एक बार प्रमुखता से बांदकपुर धाम का विषय रखा गया।

श्री देवानंद सिन्हा जी को बनाया गया आल इंडिया कांग्रेस संघ का छत्तीसगढ़ प्रदेश का संगठन मंत्री

आल इंडिया कांग्रेस संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश मलिक जी, यूथ विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुरदीप सिंह को एवं प्रदेश अध्यक्ष

आफताफ मेमन जी के दिशा निर्देशो पर यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष स्वप्निल सिन्हा जी द्वारा प्रदेश स्तर देवानंद सिन्हा जो को संगठन मंत्री नियुक्त किया जा रहा है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी । वही देवानंद सिन्हा ने आभार प्रकट करते हु कहा की मैं अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा पूर्वक करुँगा एवं आने वाले आगामी चुनाव में प्रत्येक व्यक्ति के बीच् मे सरकार के सफलताओ का प्रचार प्रसार करता रहूँगा। और इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस के नेताओं और पदाधिकारीयों और अन्य कार्य कर्ताओ द्वारा बधाई दिया गया और इस अवसर पर आप सभी वरिष्ठ जनों एवं पदाधिकारी यों और कार्यकर्ताओ द्वारा मिलाकर आशीर्वाद दिया गया।

अम्बाह खेत की मेड को लेकर चल रहै बिबाद पर घर में घुसकर हमला करने बाले तीन दोषियो को सुनाई दो दो साल की सजा

अम्बाह... प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश अम्बाह की अदालत ने शुक्रवार को घर मे घुसकर हमला करने बाले एक परिवार के सदस्यों को घायल करने वाले तीन आरोपितों को दो - दो साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है । इसके साथ ही अर्थदंड भी लगाया है । इस मामले में शासन की ओर से पैरवी कर रहै अपर लोक अभियोजक गणेश सिह तोमर ने की ।अभियोजन के मुताबिक गढी गांव में फरियादी रामसुख की खेत की मेड को लेकर गांव के ही रामबीर शर्मा से विवाद चला आ रहा था । जिसको लेकर गत 15 जुलाई 2012 को समाजिक पंचायत बुलाई गई । जिसमें फिर से विवाद हो गया । जिस पर रामबीर शर्मा व उसके स्वजन मनोज , अनिल व कृष्णा गॉव गढी ने लाठी फरसों से घर में घुसकर रामसुख शर्मा व उसके स्वजन पर हमला कर दिया । इस हमले में रामसुख सहित उसके बेटे व भाईयों को गंभीर चोटें आई । पुलिस ने इस मामले में रामसुख की फरियाद पर चारों आरोपितों पर मामला दर्ज किया गया । जिसके बाद मामला प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में चला । जहां सुनवाई के साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय आरोपित रामबीर , मनोज , व अनिल को तीन - तीन साल की सजा सुनाई और एक आरोपित कृष्णा की पूर्व मे ही मृत्यु होगई।

मालनपुर थाना पुलिस ने 719 हाईवे पर अतिक्रमण एवं यातायात व्यवस्था को लेकर लोगों को दी हिदायत

पहलवान सिंह राजावत
पुष्पांजलि टुडे संवाददाता मालनपुर

हाईवे के किनारे व्यवसाय एवं चार पहिये एवं दुकानदारों द्वारा रोड के किनारे अतिक्रमण करने वालों को एस डी ओ पी एवं थाना प्रभारी मालनपुर ने पुलिस बल के साथ फ्लैगमार्च निकालकर अतिक्रमणकारियों को हिदायत दी और कहा कि रोड से अंदर की साइड दुकान लगाकर दुकानदारी करें जिससे की दुर्घटना कम हो एवं पार्किंग की अर्थव्यवस्था बनी रहे अन्यथा चालानी कार्रवाई की जाएगी फ्लैग मार्च मालनपुर थाने से लेकर हनुमान चौराह मनहार होटल तक निकाली ज्ञात रहे कि हनुमान चौराहे मालनपुर नेशनल हाईवे के किनारे दुकानें एवं टैक्सी लग जाने से रोड पर जाम लग जाता था जिससे आने जाने वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है और एक्सीडेंट की घटना होने का भी अंदेशा रहता है इस क्रम में आज एस डी ओ पी गोहद सौरभ कुमार थाना प्रभारी विनोद विनायक करकरे व एसआई बलवंत सिंह यादव प्रधान आरक्षक राघवेंद्र शुक्ला प्रधान आरक्षक कमल माहौर आरक्षक नवीन तोमर आरक्षक सोनू सिंह व समस्त पुलिस बल ने लोगों को बताया कि अगर ऐसा पाया गया तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कैलारस-पुलिस एव समाजसेवियों ने जरूरतमंद व्यक्तियों को शॉल व कम्बल बितरण किये

कैलारस पुलिस की सराहनीय पहल गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

कैलारस- पुलिस एवं समाजसेवी होने जरूरतमंद व्यक्तियों को रात्रि में शॉल एवं कंबल किये वितरण श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय आशुतोष बागरी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय रायसिंह नरवरिया द्वारा जिले में थाना क्षेत्र अंतर्गत सभी थाना प्रभारियों को रात्रि में समाजसेवियों के सयोग से जरूरत मंद व्यक्तियों को कंबल वितरण करने के निर्देश दिए इसी तारतम्य में एस डीओपी संजय कोच्छा एव थाना प्रभारी वेदेन्द्र कुशवाह ने बताया कि कैलारस थाना क्षेत्र अंतर्गत रात्रि में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसिंह नरवरिया एवं समाजसेवियों अशोक सिंह सिकरवार, गिर्राज गोयल एव पुलिस के सहयोग से पुरानी सब्जी मंडी, पहाड़गढ़ रोड, बस स्टैंड,ट्रांसपोर्ट नगर,स्वास्थ्य केंद्र कैलारस,एवं शहर के अन्य जगह पर रात्रि में कप कपाती सर्दी में स?के किनारे एव ठेलों पर अन्य जगह पर सो रहे जरूरतमंद लोगो को कंबल वितरण किए वहीं उन्होंने बताया कि दिसंबर माह में रात्रि के समय सर्दी बहुत तेज पड़ती है हम लोग सर्दी से घर में भी नहीं सो पाते हैं लेकिन यह लोग सड़क के किनारे बिना गर्म कपड़ों के सो रहे हैं इसी को लेकर आज सर्दी के मौसम में लोगों को कंबल वितरण किए गए बही कंबल मिलने के बाद सर्दी से कप कपाते लोगों ने पुलिस के सराहना करते हुए कहा कि अभी तक हमने पुलिस को अपराधों पर अंकुश लगाते हुए देखा था लेकिन आज रात्रि में पुलिस के द्वारा कई लोगों को कंबल वितरण किए गए उनके इस कार्य की प्रशंसा करते हैं।

समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

अटेर (भिण्ड)। समाजवादी पार्टी द्वारा विधानसभा अटेर में कार्यकर्ता सम्मेलन हरसुख बाबा का स्थान सिमराव (अटेर) में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में दयाराम यादव बनारस ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाजवादी के कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा और नए जोश का संचार करना है और उनके मनोबल को बढ़ाना है । विशिष्ट अतिथि भर्थना विधायक राघवेंद्र गौतम ने कहा समाजवादी पार्टी सभी समाजों की पार्टी है भिण्ड जिले में भी पार्टी का संघठन मजबूत बन रहा है यहां के जिलाध्यक्ष नीरज यादव बहुत ही कर्मठ और लगनशील है अतिथि बी के बौहरे प्रदेश सचिव ने कहा जिले में पार्टी का विस्तार हो रहा है संचालन जिला महासचिव अशोक दंडोतिया ने किया कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरज सिंह यादव ने की मंचासीन रहे डॉ लज्जाराम यादव,भूपेन्द्र सिंह गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष दीपक यादव डीके, यूथ जिलाध्यक्ष सूरज बघेल,युवा जन सभा जिला अध्यक्ष आकाश यादव कार्यक्रम के आयोजक राधा मोहन सिंह जिला उपाध्यक्ष व दिनेश यादव विधानसभा उपाध्यक्ष उपस्थित रहे समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष नीरज यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने महंगाई आसमान पर और रोजगार शून्य पर ला दिया है। भाजपा सरकार ने गरीब दलितों युवाओं का शोषण किया है। उन्होंने आगे कहा कि बूथ लेवल पर समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विधानसभा अटेर के तमाम पंचायतों से पार्टी के कार्यकर्ता व आमजनो ने भाग लिया। सम्मेलन कार्यक्रम में भाजपा सरकार की कर्मचारी, व्यापारी, दलित, महिला एवं युवा विरोधी नीतियों पर विचार विमर्श किया गया।

प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में मनाया गया क्रिसमिस डे

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के, गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर के द्वारा क्रिसमस दिवस को बहुत ही धूमधाम से मनाया गया क्रिसमस दिवस की बधाई देते हुए ज्योति बहन जी ने कहा कि बड़े दिन के उपलक्ष में हम सभी को बड़े संकल्प लेना है और पूरी ऊर्जा के साथ, उन्हें पूरा करना है भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए शुरुआत हमें स्वयं से करना होगी सुख देना है सुख लेना हैना दुख देना है ना दुख लेना है ईसा मसीह जी ने हम.. सभी को प्रेम से रहने का पाठ पढ़ाया और सभी को ब्लेसिंग देना सिखाया है अतः हम सभी लोग भी दयावान बनकर सभी पर रहम करें.इस अवसर पर ब्रह्माकुमार

महेश भाई, शाखा बैंक कॉलोनी ने कहा कि हमें अपने जीवन को सरल बनाना होगा 7 हम सभी अपने जीवन को सिंपल बनाएंगे तो सैंपल बनेंगे हमें सिंपल लिविंग और हाई थिंकिंग का सूत्र अपने जीवन में अपनाना चाहिए व्यर्थ दिखावे के चक्कर में हम सभी लोग अपने जीवन में तनाव ले लेते हैं इसलिए इससे बचने की आवश्यकता है बी.के. सतनाम भाई, मालनपुर ने.. सकारात्मक चिंतन को अपनाने के लिए सभी का आह्वान किया आपने बताया कि सकारात्मक चिंतन अपनाने से हम अपने जीवन में बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं... इसी क्रम में नव वर्ष के कैलेंडर का विमोचन किया गया

प्रेरक प्रवक्ता बी.के .आशीष भाई ने कहा कि दया - धर्म का मूल है. अतः हमें सभी प्राणियों के प्रति दया का भाव अपनाना चाहिए, जैसे ईसा मसीह जी सभी के प्रति अंत समय तक दयावान रहे और सभी को उन्होंने माफ किया... उसी तरह हमें भी अपने जीवन में सब को माफ करना सीखना होगा सच्ची आध्यात्मिकता वही है, जो हमें दया का भाव सिखलाती है टेकनपुर से पधारी ब्रह्माकुमारी भावना बहन जी ने सभी को राजयोग की अनुभूति कराई एवं डॉ. अरविंद सिंघल जी ने सभी का आभार व्यक्त किया वही झांसी से पधारे हुए, ब्रह्माकुमार बृजेश भाई ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि यदि संकल्प में दृढ़ता है तो बड़ी-बड़ी समस्याएं भी हमारे आगे घुटने टेक देगी...
तत्पश्चात उपस्थित लोगों को खेलकूद प्रतियोगिताएं कराई गई... व विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया... एवं एक दूसरे को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी गई.

वरिष्ठ पत्रकार शरद द्विवेदी, भानु ठाकुर और सुमित शर्मा को मिला अंबादत्त भारतीय स्मृति पत्रकारिता सम्मान

सीहोर की खंजाची लाइन को अब अंबादत्त भारतीय के नाम से जाना जाएगा अंबादत्त भारतीय स्मृति संग्रहालय एवं शोध संस्थान के लिए होगी कवायद

सीहोर। सीहोर के लब्ध प्रतिष्ठित पत्रकार स्व. श्री अंबादत्त भारतीय की नवम पुण्य तिथि के अवसर पर उनकी स्मृति में पत्रकारिता सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को नगर के रुकमणी गार्डन में आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार शरद द्विवेदी को राष्ट्र स्तरीय, राजगड़ के वरिष्ठ पत्रकार भानु ठाकुर को राज्य स्तरीय एवं सीहोर के पत्रकार सुमित शर्मा को जिला स्तरीय अंबादत्त भारतीय स्मृति पत्रकारिता सम्मान दिया गया। इससे पहले सम्मान समारोह के मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष गोपाल इंजीनियर, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रिंस राठौर, पूर्व विधायक रमेश सक्सेना, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. बलवीर सिंह तोमर, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. जयप्रकाश पालीवाल, भाजपा के सीहोर जिला प्रभारी बहादुर सिंह मुकाती एवं अंबादत्त भारतीय स्मृति संग्रहालय एवं शोध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष रघुवरदयाल गोहिया ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इसके बाद मंचासीन अतिथियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में अंबादत्त भारतीय स्मृति संग्रहालय एवं शोध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष रघुवरदयाल गोहिया ने उपस्थित अतिथियों का परिचय देते

हुए कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी बात रखी।

नगर के खंचाजी लाइन को मिलेगी नई पहचान- प्रिंस राठौर- समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि नगर के खंजाची लाइन को स्व. अंबादत्त भारतीय के नाम से जाना जाएगा। इसके लिए जल्द ही नगर पालिका परिषद की बैठक में प्रस्ताव पास किया जाएगा। श्री राठौर ने अंबादत्त भारतीय स्मृति संग्रहालय एवं शोध संस्थान के लिए मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि नगर में स्व. अंबादत्त भारतीय के नाम से शोध संस्थान की आधारशिला रखी जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल इंजीनियर ने उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि स्व. अंबादत्त भारतीय ने पत्रकारिता के नए आयामों को गढ़ा है। उन्होंने पत्रकारिता को एक पहचान दी है। पुराने स्मरण सुनाते हुए गोपाल इंजीनियर ने कहा कि जब वे सीहोर में पड़ाई करते थे उस समय उनका स्व. अंबादत्त भारतीय से मिलना-जुलना हुआ। वे अपने आप में एक संस्था थे। गोपाल इंजीनियर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की पत्रकारिता के लिए अब पहल करने की आवश्यकता है। इसके लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे। पूर्व विधायक रमेश सक्सेना ने कहा कि अंबादत्त भारतीय सीहोर के ऐसे पत्रकार थे, जिन्होंने जीवनभर फक्कड़ तरीके से पत्रकारिता की, लेकिन उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। वे आखिरी दम तक मूल्य आधारित पत्रकारिता के पक्षधर रहे। कार्यक्रम को वरिष्ठ समाजसेवी एवं डॉ जयप्रकाश पालीवाल, भाजपा के सीहोर जिला प्रभारी बहादुर सिंह मुकाती, वरिष्ठ पत्रकार शरद द्विवेदी सहित अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सीहोर के वरिष्ठ पत्रकार एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रदीप चौहान ने किया। सम्मान समारोह में सीहोर के बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पत्रकार, युवा पत्रकार सहित रेहटी, नसरूल्लागंज, आष्ठा, जावर, श्यामपुर, दोराहा सहित जिलेभर के अन्य स्थानों के भी पत्रकार शामिल हुए।

मित्तल वेयर हाउस पर श्याम संकीर्तन में जमकर झूमे श्रद्धालु

गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

कैलारस। श्याम सहारा मित्र मंडल जौरा द्वारा मित्तल परिवार जौरा द्वारा द्वारा मित्तल वेयर हाउस कैलारस पर एक श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया जिसमे बाहर से आए गायक कलाकारों द्वारा श्याम बाबा के मधुर भजनों पर शरदालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता कैलाश मित्तल जौरा, विकास मित्तल द्वारा आए अतिथियों को श्याम नाम पट्टिका से सम्मान किया। श्याम संकीर्तन आधी रात्रि तक चला जिसमे नगर कैलारस जौरा के सेकडो गणमान्य नागरिकों व्यापारियों, राजनेताओं ने भागेदारी की।

भारतीय जनता पार्टी मंडल खोड़ के कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी का जन्मदिवस

संवादाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

पिछोर। खोड़ परम श्रद्धेय श्रीमंत महाराज यशोधरा राजे सिंधिया जी के निर्देशन में भारतीय जनता पार्टी के युग पुरुष भारतीय जनसंघ के , संस्थापकों में से एक भारत रतन से पुरस्कृत एवं भूत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी की 98बी जयंती मनाते हुए, सभी कार्यकर्ताओं द्वारा हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम को भी सुना एवं भाजपा मंडल खोड़ के सभी कार्यकर्ता गण इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे , इस जयंती समारोह में उपस्थित कार्यकर्ता गण भाजपामंडल अध्यक्ष श्री केरन सिंह लोधी जी, मंडल महामंत्री महेश परिहार, राजकुमार लोधी, भरत लाल लोधी, विनोद लोधी,अच्छे लाल रजक ,पुष्पेंद्र लोधी, बलबीर लोधी, रमेश ओझा राजू रजक, अरुण वकील, संजय योगी, आनंद रजक, आदि कार्यकर्ताओं द्वारा जयंती मनाई।

आयुर्वेदिक औषधि स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है : सांसद संध्या राय

आयुर्वेदिक पद्धति से प्रमाणित दवाइयां पर विश्वास व्यक्त करना चाहिए इलाज हमारे लिए प्रेरणा देता है विधायक संजीव सिंह संजू

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश शासन आयुष विभाग के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के मार्गदर्शन में तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ नीलम कुशवाह के नेतृत्व में आयुष विभाग के द्वारा विशाल आयुष मेले का आयोजन नवीन कृषि उपज मंडी, आईपीएस स्कूल के पास भारोली रोड भिण्ड में किया गया। इस कार्यक्रम के अतिथि भिण्ड-दतिया सांसद श्रीमती संध्या राय एवं भिण्ड विधायक संजीव सिंह कुशवाह ने शिरकत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ कियामेले में आयुष विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।साथ ही आने वाले लाभार्थियों को निःशुल्क स्वास्थ्य सलाह विशेषज्ञ आयुष चिकित्सकों के द्वारा आयुर्वेदिक पद्धति औषधि से इलाज हेतु मरीजों को प्रेरणा दी गई। तथा उनकी विभिन्न प्रकार की जांच निःशुल्क कराई गई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया,भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णकांता तोमर,भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य केशव सिंह कुशवाह एडवोकेट,पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा राजे, जिला मंत्री उपेंद्र राजोरिया एवं विभाग के अनेक अधिकारीगण मौजूद थे डॉक्टर नीलम कुशवाह ने मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया और तुलसी का पौधा पौधा भेंट किया। भाजयुमो के जिला अध्यक्ष विक्रांत सिंह कुशवाह मंचासीन थे।आयुष मेले में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड दतिया सांसद श्रीमती संध्या राय ने आयुर्वेदिक पद्धति पर लोगों को समझाएं देते हुए कहा किआयुर्वेद तीन मूल प्रकार के ऊर्जा या कार्यात्मक सिद्धांतों की पहचान करता है जो हर किसी इंसान और हर चीज में मौजूद हैं। इसे त्रिदोष सिद्धांत कहते है। जब ये तीनों दोष - वात, पित्त और कफ संतुलित रहते हैं तो शरीर स्वस्थ रहता है। आयुर्वेद के सिद्धांत शरीर के मूल जीव विज्ञान से संबंधित हो सकते हैं। आयुर्वेद में, शरीर, मन और चेतना संतुलन बनाए रखने में एक साथ काम करते हैं। शरीर, मन और चेतना की असंतुलित अवस्था विकृति कहा जाता है। आयुर्वेद स्वास्थ्य लाता है और दोषों को संतुलन में रखता है। कुल मिलाकर, इसका उद्देश्य सामान्य स्वास्थ्य को बनाए रखना और बेहतर बनाना है, चाहे आप किसी भी उम्र के हों। उन्होंने कहा किआयुर्वेदिक दर्शन के अनुसार हमारा शरीर पांच तत्वों (जल, पृथ्वी, आकाश, अग्नि और वायु) से मिलकर बना है। वात, पित्त और कफ इन पांच तत्वों के संयोजन और क्रमपरिवर्तन हैं जो सभी निर्माण में मौजूद पैटर्न के रूप में प्रकट होते हैं। उन्होंने कहा कि आरोग्य अंतोदय सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण सस्ती स्वास्थ्य सेवा है प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना अट्ठारह सौ से अधिक सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं पीएमबीजेपी केंद्र 2014-15 में 80 से बढ़ाकर लगभग 8, 800 हुए है प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत जिला अस्पतालों में गरीबों के लिए निशुल्क दवाइयां भी मिलती है। भौतिक शरीर में, वात आंदोलन की सूक्ष्म ऊर्जा है, पाचन और चयापचय की ऊर्जा, और शरीर की संरचना बनाने वाली ऊर्जा को साफ करती है। वात गति से जुड़ी सूक्ष्म ऊर्जा है - जो अंतरिक्ष और वायु से बनी है। यह श्वास, निमिष, मांसपेशियों और ऊतक आंदोलन, हृदय की धड़कन और साइटोप्लाज्म और कोशिका झिल्ली में सभी आंदोलनों को नियंत्रित करता है। संतुलन में, वात रचनात्मकता और लचीलेपन को बढ़ावा देता है। संतुलन न होने से, वात भय और चिंता पैदा करता है।पित्त शरीर की चयापचय प्रणाली के रूप में व्यक्त करता है - आग और पानी से बना है। यह पाचन, अवशोषण, आत्मसात, पोषण, चयापचय और शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है। संतुलन में, पित्त समझ और बुद्धि को बढ़ावा देता है। संतुलन न होने से, पित्त क्रोध, घृणा और ईर्ष्या पैदा करता है।सांसद श्रीमती राय ने कहा कि हम सबको आयुर्वेदिक पद्धति पर भरोसा करना चाहिए । जड़ी बूटियां से दवाइयां बनती है वह भी स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है और जिसका हम उपयोग कर अपने शरीर को स्वस्थ बनाकर आयुर्वेदिक पद्धति के लिए दूसरे लोगों को भी हम प्रेरणा दें ताकि आयुर्वेदिक पर लोगों का विश्वास बढ़ सके।पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिवस पर जो कि सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस आयुष मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा वर्चुअली किया गया। मेले में आयुष विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे देवारण्य योजना स्वर्ण प्रासन संस्कार, गैर संचारी नियंत्रण कार्यक्रम, पंचकर्म चिकित्सा, वैद्य आपके द्वार आयुष क्योर, हेल्थ वैल नेस, योग से निरोग आदि के बारे में बताया जाएगा साथ ही आयुर्वेद और होम्योपैथी चिकित्सा के विशेषज्ञों द्वारा रोगियों का परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरण भी किया जाएगा। साथ ही जो किसान परंपरागत खेती से हटकर अपनी भूमि पर औषधीय खेती करना चाहते हैं और अधिक से अधिक लाभ कमाना चाहते हैं वह भी आकर शासन की महत्वकांक्षी देवारण्य योजना के बारे में संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम 4 बजे तकआयोजित किया गया। शिविर में संधिवात आम वात, गठिया बात, वृद्ध अवस्था में होने वाले दर्द, वृद्धावस्था जन्य विभिन्न व्याधियों, स्त्री रोग, त्वचा रोग, गुदा रोग, अर्श रोग, अन्य उदर रोग तथा विभिन्न प्रकार के जटिल एवं एलर्जी युक्त व्याधियों, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी रोग, पाचन संबंधी विकार, नाक कान गले से संबंधित विकार एवं रसायन चिकित्सा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की दी गई।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक संजीव सिंह कुशवाह संजू ने कहा कि आयुर्वेदिक औषधि से बनी हुई दवाइयां ने हम सबको कोविड-19 काल में बचाने का कार्य किया है इससे हमें प्रेरणा मिलती है की आयुर्वेदिक दवाइयों में हम सब विश्वास करते हुए इसका प्रयोग करें और अपने जीवन को स्वस्थ बनाएं।

लालच में हो रहा धर्मपरिवर्तन

सोशल-मीडिया पर धर्म-परिवर्तन का काम चल रहा है कुछ ऐसे प्रान्त हैं जैसे जम्मू-कश्मीर है इसमें हिन्दू जनसंख्या पहले नब्बे प्रतिशत थी अब उसको नब्बे से बदल कर दस कर दिया है दस वाली नब्बे हो गयी है। तो इससे ज़्यादा प्रभाव पड़ रहा है और बाहर से फंडिंग भी होती है कुछ प्रोपगेंडा (दुष्प्रचार) भी चलाया जा रहा है। नब्बे वाले दस प्रतिशत कैसे हो गएकौन कर रहा है? कोई कर रहा होगा उसकी ओर उँगली बाद में उठेगी पहले अपनी ओ अंगुली उठेगी ! धर्म तो ऐसी चीज़ होती है कि कोई गर्दन पर तलवार रख दे (फिर भी) नहीं छोड़ेंगे। माँ होती है धर्म माँ को छोड़ दोगे क्या? शरीर को जो जन्म दे वो शारीरिक माँ है और तुम्हारी सच्चाई को जो जन्म दे उसे धर्म कहते हैं। ये कौन-से लोग हैं जो धर्म छोड़ने को तैयार हो जाते हैं और जो इतनी आसानी से छोड़ने को तैयार है वो कभी धर्म में था ही नहीं वो नाम का रहा होगा धार्मिक; तो कोई कन्वर्ज़न नहीं हुआ है वो आदमी धर्म को पहले ही छोड़ चुका था। धार्मिक आदमी मर जाएगा धर्म नहीं छोड़ सकता। धर्म को बचाना है तो लोगों को पहले धार्मिक बनाओ; धार्मिक उनको बनाया नहीं है कन्वर्ज़न के ख़िलाफ़ रो रहे हो। लोगों में धर्म के प्रति प्रेम लाओ। दुनिया-भर में सबसे ज्यादा कन्वर्ज़न्स भारत में ही क्यों होते हैं? क्योंकि सनातनी को सनातन धर्म का कुछ नहीं पता है। तुम कहते हो हिन्दू लड़कियाँ कन्वर्ट हो जाती हैं शादी कर लेती हैं।÷ और (दूसरी लड़कियाँ) क्यों नहीं होतीं? उनको धर्म से वैसे ही कोई मतलब नहीं था तो जैसे ही उनको कहीं पैसा दिखा या सेक्स दिखा वो कहती हैं ÷कर लेंगे कन्वर्ट हम। पहला प्यार तो धर्म होना चाहिए न? राम से प्यार नहीं है तो आ गया कोई ज़िंदगी में तो छोड़ दिया राम को। समस्या अप्रेम की है कन्वर्ज़न वगैरह बाद में बात करेंगे। होने को तो ये भी हो सकता था कि जो दस वाले हैं जो थोड़े-से हैं कमज़ोर हैं वो दस वाले कन्वर्ट होकर नब्बे में शामिल हो जाते वो क्यों नहीं हुए? उन्हें अपने धर्म से अपने मज़हब से प्यार है वो नहीं छोड़ते तुम क्यों छोड़ देते हो? क्योंकि हमें अपने रोज़मर्रा के जीवन में भी धर्म से कहाँ कोई मतलब है! कितने हिन्दू मंदिर जाते हैं? आश्रमों में भीड़ है या कैफ़े में? और आश्रमों की कैसी हालत देख रहे हो? बरबाद हैं गिर रहे हैं खण्डहर हो चुके हैं। ये लोग हैं – लड़के-लड़कियाँ ही तो ज़्यादा यहाँ आ रहे हैं ऋषिकेश में वीकेंड-क्राउड (साप्ताहांत-भीड़) – ये जो आश्रमों की ओर मुड़ कर नहीं देख रहे मंदिरों में कदम नहीं रख रहे हैं जा कर कैफ़े में बैठे हैं चुम्मा-चाटी में लगे हैं बीच (नदी किनारे) पर घूम रहे हैं वहाँ पर टिक-टॉक अपना बना रहे हैं। इन्हें कन्वर्ट करने की कोई ज़रूरत है या ये पहले ही कन्वर्ट हो चुके हैं? धर्म तो इन्होंने छोड़ दिया है ये कब के धर्महीन हैं। इनकी धार्मिकता मर चुकी थी कब की बस जब लाश जलती है तो हम शोर मचाते हैं कि ÷अरे! कन्वर्ज़न हो गया कन्वर्ज़न हो गया। शोर कब मचना चाहिए लाश के जलने पर या मौत होने पर? पर जब मौत हुई तो हमें पता भी नहीं चला क्योंकि साइलेंट-मर्डर चल रहा है; और वो साइलेंट-मर्डर करने वाले दूसरे धर्मों के लोग नहीं हैं वो साइलेंट-मर्डर हम खुद कर रहे हैं। सम्मान मिलना चाहिए राम को और कृष्ण को राम कृष्ण की जगह देखो कि ये समाज किसको सम्मान देता है; हो गया न कन्वर्ज़न ख़त्म। आदर्श होने चाहिए वो जिन्होंने धर्म का काम किया जिन्होंने सत्य की राह पकड़ी उसकी जगह देखो न कि हमारे आदर्श कौन बन चुके हैं। बताओ कि हमारे पाठ्यक्रम में स्कूलों-कॉलेजों के सिलेबस में ऋषियों और संतों के लिए कितनी जगह है? तो फिर ये जो पीढ़ी निकल कर आती है इसका धर्म से कोई सम्बन्ध ही नहीं होता तो ये आसानी से कन्वर्ज़न का शिकार हो जाते हैं।

क्रोध हमेशा धैर्य और साहस की कमी का परिचायक होता है

हमारा गुस्सा और क्रोध हमारे जीवन की सभी समस्याओं की वजह में से एक है

क्रोध से हमारे पूरे परिवार के मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया- आज के युग में हर व्यक्ति को जीवन के किसी न किसी पड़ाव में विपरीत परिस्थितियों का निर्माण होने के कारणों में कहीं ना कहीं एक कारण उसका गुस्सा या क्रोध भी होगा। अगर हम अत्यंत संवेदन शीलता और गहनता से उत्पन्न हुई उन परिस्थितियों की गहनता से जांच करेंगे तो हमें जरूर यह कारण महसूस होगा। गुस्से और क्रोध का वह छोटा सा पल ऐसी अनेकों विकराल स्थितियों और परिस्थितियों को पैदा कर देता है, जिसकी हमें उम्मीद भी नहीं रहती और फिर बड़े बुजुर्ग लोग कहते हैं ना कि, जब चिड़िया चुग गई खेत अब पछतावे का होए।बस हमें उस गुस्से क्रोध के उस पल को काबू में रखने के मंत्र सीखने होंगे जो कि आसान है। सबसे पहले तो हमारी यह सव प्रतिशत कोशिश होनी चाहिए कि उस स्थिति को पैदा ही ना होने दें , जिसके कारण क्रोध या गुस्सा या आक्रोश उत्पन्न हो।परंतु यह भी उचित बात है कि, हम किसी भी परिस्थिति को कितना भी रोके, परंतु स्थिति उत्पन्न हो ही जाती है,या अन्य कोई यह स्थिति उत्पन्न कर ही देता है, तो ऐसी परिस्थिति में सबसे सरल मंत्र है उस परिस्थिति की हर बात,हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता से लें और गुस्से या क्रोध या आक्रोश को जगने से पहले ही तुरंत उसे समाप्त कर दें। उसके लिए सहजता व सरलता इन दो शब्दों या मंत्रों को गांठ बांध के रखना ही होगा।

साथियों जब शरीर क्रोध के आवेग में काबू हो जाता है तो मनुष्य विचार शून्य हो जाता हैं. उसे कुछ भी सूझता नहीं है जैसे मुह में आया बोल दिया अथवा जो हाथ में आया उसे चला दिया जाता हैं. ऐसे करने से बाद में पछताने के सिवाय कुछ भी हाथ नहीं लगता हैं। यदि आप क्रोध को निर्यंत्रित नहीं कर पाते है तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है, यह आपके ब्लड प्रेशर को अधिक करने के साथ ही कई व्याधियों को जन्म भी दे सकता हैं।क्रोध को कायरता की निशानी भी कहा जाता है, इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक भी माना गया हैं. जिन्हें विभिन्न परिस्थितियों में धैर्य एवं साहस की कमी होती है वे क्रोधित होते हैं। यह संताप विकलता की दशा हैं. एक क्रुद्ध व्यक्ति के सोचने समझने और विचारने की शक्ति शून्य हो जाती हैं।

साथियों ,मेरा ऐसा निजी मानना है कि जितनी भी विपरीत, हानिकारक, कष्टदाई परिस्थितियां उत्पन्न होती है, उसका मूल कारण गुस्सा, आक्रोश, क्रोध में उठाया गया हिंसात्मक कदम होता है, जिसकी परिणीति में उन विपरीत परिस्थितियों का जन्म होता है।और अगर उन परिस्थितियों, स्थितियों को फलने फूलने के लिए, कथित प्रोत्साहन मिला तो फिर विकराल रूप बन इंसान को सबसे बड़ा और खतरनाक प्राणी बना देता है ,जिसे आज की स्थिति में अपराध के जगत का डॉन या कुख्यात अपराधी की संज्ञा दी जाती है।साथियों, हम अपने रूटीन जीवन के हर क्षण में काफी नजदीकी से देखते होंगे कि कोई भी टॉपिक में, किसी भी क्षेत्र में, किसी भी विषय में, बात तभी बिगड़ जाती है जब वहां तावबाज़ी अर्थात गुस्सा या क्रोध का जन्म होता है, और बात बढ़ कर कहासुनी, मारपीट, हत्या की कोशिश, हत्या, जख्मी, घायल इत्यादि से पुलिस, जेल , और मामला अदालतों की दहलीज तक जा पहुंचती है। और सामाजिक-आर्थिक नैतिक, हानि, मानहानि अलग होती है।

साथियों सोचिए इतनी भारी कीमत चुकानी होती है, मात्र एक छोटे से पल की जिस पर आसानी से नियंत्रण किया जा सकता था। जो भी व्यक्ति उपरोक्त विपरीत प्रक्रिया, गुस्से, क्रोध, से जेल तक में बंदी बनाया जाता है या सजा काटता है या अदालतों के चक्कर काटता है, विशेषज्ञों और अधिवक्ताओं के पीछे घूमता है, अगर हम उसकी प्रतिक्रिया जानना चाहेंगे तो हमें निर्णय करने में आसानी होगी कि मामला गुस्से और क्रोध की परिणीति का है और कहीं ना कहीं उस व्यक्ति के मन में गुस्से और क्रोध के प्रति पछतावे की बात सामने आती है। गुस्सा और क्रोध से, बदले की भावना का उदय होता है और फिर बदले पर बदला के चक्रव्यूह में अनेक जीवो का जीवन कुचक्र में फंस कर खराब हो जाता है। क्योंकि फिर बदले का अंजाम बहुत दूर तलक जाता है, जो गुटबाजी, गैंगवार सहित बात दूर तलक चली जाती है।

साथियों अगर हम अपने क्रोध, गुस्से को काबू में कर पाएंगे तो सहजता और सरलता रूपी मिठास का अपने आप उदय होगा हम स्वाभाविक रूप से मीठा बोलेंगे। हमारी वाणी में मिठास उत्पन्न होगी। चार लोग हमारे करीब आएंगे,और हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, मान सम्मान होगा। जिसका प्रभाव हमारी वर्तमान पीढ़ी, भावी पीढ़ी पर भी पड़ेगा क्योंकि बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि, बोया बीज बबूल का तो आम कहां से खाए, और बोया बीज मिठास का तो कुल पुरा मीठा होय। हम सामाजिक रुप में भी किसी व्यक्ति या परिवार को उसके कुल से ही कतारते हैं कि, अच्छे कुनबे का परिवार है या अच्छे कुनबे का व्यक्ति है। इसलिए सभी कुभावनाओं, विपरीत विचारों, परिस्थितियों, से ओतप्रोत इस गुस्से और क्रोध,आक्रोश को हीपूरी विपत्ति और कठिनाइयों की जड़ मानेंगे साथियों उपरोक्त पूरे विवरण को अगर हम संकुचित और कुछ शब्दों या शब्दकोश में सीमित करें तो गुस्सा और क्रोध एक तेज तीखी मिर्ची के समान है ,एक आग के समान है,जिसे फैलने या रोकने के लिए सहजता और सरलता रूपी गुड़ शक्कर या शहद की जरूरत होती है, जो मिर्ची रूपी धास को, आग रूपी तबाही को, सहजता सरलता और मीठी वाणी रूपी पानी से बुझाया जा सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्रोध हमेशा धैर्य और साहस की कमी का परिचय होता है। क्रोध से पूरे परिवार के मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने की संभावना को रेखांकित करना समय की मांग है। क्रोध की हर बात और हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता में ही लेना चाहिए ताकि क्रोध और गुस्से पर नियंत्रण हो सके यही मूल मंत्र है।

संकलनकर्ता लेखक कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा क्यों? कन्या बोली पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ?सा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी बूढ़ी होती जाऊंगी मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है। प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

पदयात्रताएं : अतीत से आज तक

(प्रवीण कक्कड़)

भारत में राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक यात्राओं का लंबा इतिहास है। कभी आमजन से जु?ने, कभी समाज में चेतना को विकसित करने तो कभी राजनितिक परिवर्तन लाने के लिए यात्राएं निकलती रही हैं। इन दिनों देश में सबसे ज्यादा बातचीत किसी चीज की हो रही है तो वह है राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक जाने वाली पदयात्रा की। असल में बात किसी व्यक्ति की नहीं है बल्कि बात उस भावना की है जो लोगों को आकर्षित करती है। इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग मिलते हैं जब महान हस्तियों ने जनता से जुड़ने के लिए और अपनी बात रखने के लिए लंबी-लंबी यात्राएं की। अगर हम त्रेता युग से शुरू करें तो भगवान राम ने भी अयोध्या से रामेश्वरम तक पदयात्रा करने के बाद ही लंका पर चढ़ाई की थी। भगवान चाहते तो अपने भृकुटी विलास से ही किसी भी शत्रु को परास्त कर सकते थे लेकिन जब वह पैदल दूरदराज के इलाकों से निकले और जन सामान्य ने उनके दर्शन किए और उन्होंने जन सामान्य की परिस्थिति का अवलोकन किया तो नर और नारायण एक हो गए। भारत में पुराण काल में ही दूसरी महत्वपूर्ण यात्रा अगस्त मुनि की मानी जाती है। वह पहले ऐसे व्यक्ति माने जाते हैं जिन्होंने विंध्याचल पर्वत को पार किया। उत्तर भारत और दक्षिण भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने में अगस्त्यमुनि का ही महात्म्य हमारे ग्रंथों में बताया गया है। तीसरी महत्वपूर्ण पदयात्रा आदि गुरु शंकराचार्य की है। केरल में जन्मे शंकराचार्य ने पूरे भारत का भ्रमण किया और चारधाम की स्थापना की। उनकी इन्हीं यात्राओं से सनातन धर्म में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। इसी तरह गौतम बुद्ध और गुरु नानक देव जैसी विभूतियों ने उस दौर में यात्राएं करके जनमानस के बीच अपनी आध्यात्मिक चेतना का प्रसार किया। भारत के इतिहास में कुछ राजनीतिक यात्राएं भी हैं जिन्होंने भारत की राजनीति की दशा और दिशा को पूरी तरह बदल कर रख दिया। महात्मा गांधी की दांडी यात्रा ने ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी। इस यात्रा में महात्मा गांधी ने। अहमदाबाद से दांडी तक 241 किलोमीटर की यात्रा करके नमक का कानून तोड़ा और भारतीय जनमानस में स्वतंत्रता के प्रति राष्टीय चेतना का संचार किया। विनोबा भावे ने भी भूदान आंदोलन के दौरान लंबी पदयात्रा की। किंतु आजादी के बाद सबसे लंबी पैदल यात्रा पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को है। 6 जनवरी 1983 को तमिलनाडु से निकली चंद्रशेखर की यात्रा 25 जून 1983 को दिल्ली में खत्म हुई। लगभग 170 दिन तक की इस यात्रा में चंद्रशेखर 4000 से अधिक किलोमीटर पैदल चले थे। चंद्रशेखर की पदयात्रा का उद्देश्य था पीने का पानी, कुपोषण से मुक्ति, हर बच्चे की पढ़ाई, हर इंसान को स्वास्थ्य का अधिकार और सामाजिक सद्भाव। इस पदयात्रा से चंद्रशेखर भारत की राजनीति में एक ताकतवर राजनेता बन कर उभरे। बाद में कुछ समय के लिए देश के प्रधानमंत्री भी बने। भारतीय राजनीति में दक्षिण पंथ को मजबूती से स्थापित करने वाले लालकृष्ण आडवाणी भी एक नहीं दो-दो बार यात्रा पर निकले। किंतु आडवाणी पैदल नहीं चले। बल्कि अपनी पहली यात्रा में रथ पर सवार होकर 1990 में सोमनाथ से अयोध्या के लिए निकल पड़े। उनकी रथयात्रा को लालू यादव ने बिहार में रोक दिया। इसके बाद वर्ष 2011 में आडवाणी की जनचेतना रथ यात्रा भ्रष्टाचार के खिलाफ 38 दिन तक चली और 23 राज्यों व चार केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरी। इससे पहले वर्ष 2003 में वाईएसआर रेड्डी ने पदयात्रा की थी। 2013 में चंद्रबाबू नायडू भी पदयात्रा पर निकले थे। 2017 में दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश में नर्मदा परिक्रमा यात्रा निकाली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी 7 सितंबर 2022 से पदयात्रा कर रहे हैं। कन्याकुमारी से प्रारंभ उनकी पदयात्रा का आधे से अधिक मार्ग तय हो चुका है। भारत जोड़ो यात्रा के नाम से विख्यात यह 150 दिन की पदयात्रा कश्मीर में पूरी होगी। राहुल गांधी कहते हैं कि यह गैर राजनीतिक यात्रा है। जनता के दुख दर्द को समझने की यात्रा है। बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी जैसी समस्याओं पर जनचेतना जागृत करने की यात्रा है। राहुल गांधी की यात्रा में बिना बुलाए बड़ी संख्या में लोगों का पहुंचना इस बात का प्रतीक है कि इस यात्रा से जनता में राजनीतिक चेतना का विस्तार हो रहा है। साथ ही इतना अवश्य है कि अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने आमजन से मिलकर देश की जनता के बीच अपनी छाप छोड़ी है। राजनीति हस्तियों की यात्राएं जनता से सीधा संवाद करने का अवसर प्रदान करती हैं।

चलो इसी बहाने रामायण को तो याद किया राजनेताओं ने

इन दिनों राजनीति में रामायण की बड़ी चर्चा है रामायण हिंदू धर्म का सबसे पवित्र ग्रंथ माना जाता है लेकिन इस कलयुग में लोग बाग रामायण की बातों को याद नहीं रखते बीच में जरूर रामानंद सागर ने रामायण सीरियल बनाकर रामायण को घर घर पहुंचा दिया था लेकिन उसके बाद लोग बाग रामायण को भूल गए लेकिन इन दिनों राजनीति के अखाड़े में राजनीति के पहलवान न केवल रामायण को याद कर रहे हैं बल्कि उनके पात्रों को भी अपने अपने राजनीतिक दुश्मनों पर सेट कर रहे हैं अब देखो ना कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना रावण से कर दी बस फिर क्या था बीजेपी के तमाम नेता दाना पानी लेकर खड़गे जी पर चढ़ बैठे बेचारे कांग्रेस के प्रवक्ता तरह-तरह के तर्क देकर अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष की बात को जस्टिफाई करने में लगे हैंलेकिन कहते हैं न तरकश से निकला तीर और जुबान से निकली बात फिर वापस नहीं आती । वैसे भी खड़गे जी हिंदी में कमजोर है और कई बार इसी कमजोरी के चलते पार्टी को अलसेठ दिला चुके हैं । उनका कहना इतना सा था कि हर चुनाव में मोदी जी का ही चेहरा सामने आता है तो वे क्या रावण हो गए हैं जो उनके सैकड़ों सिर हो गए अब कांग्रेसी प्रवक्ता जरूर यह बात कह रहे हैं कि उनका मतलब रावण के अहंकार से था लेकिन बीजेपी तो बीजेपी है वो तो धागे का एक सिरा पकड़ती है और उसे कितना लंबा खींचना है उसे बेहतर ढंग से आता है मीडिया वाले तो बैठे ही हैं बात का बतंगड़ बनाने के लिए रोजाना इसी बात पर टीवी डिबेट हो रही है। इसके पहले बीजेपी के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव ने भी रामायण के एक अभिन्न पात्र विभीषण को याद कर लिया उनका कहना था कि कांग्रेस के तमाम विभीषण उनके पास आ गए हैं इतना ही नहीं उन्होंने जिस मंच से यह बात कही थी उस मंच से सिंधिया जी के समर्थक सिसोदिया जी से भी इसकी हामी भरवाली अब बेचारे सिसोदिया जी विभीषण बनने के बाद क्या कहते सो उन्होंने ने भी कह दिया कि हां हम लोग तो राम भक्त हैं और विभीषण ने तो राम की मदद की थी इसलिए हमें विभीषण बनने से कोई एतराज नहीं है। इधर कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को भी रामायण की याद आ गई उन्होंने भी कह दिया कि भारतीय जनता पार्टी के नेता जय श्री राम कहते हैं जबकि उनको जय सियाराम कहना चाहिए क्योंकि राम के पहले सीता का नाम हमेशा आता हैंअब क्योंकि राजनेताओं के केंद्र में रामायण है तो अपने को इंतजार है कि कौन किसको कुंभकरण किसको मेघनाथ किसको मंदोदरी किसको सुरसा किसको लंकिनी कहा जाता है वैसे भी रामायण में सैकड़ों पात्र हैं एक बार संसद में एक कांग्रेसी नेत्री को शूर्पणखा से सम्मानित किया जा चुका है अपनी इन नेताओं को सलाह है कि यदि रामायण के पात्र खत्म हो जाए तो चिंता मत करना महाभारत भी अपने सामने हैं जिसमें भी दुर्योधन दुशासन शकुनी जैसे पात्र हैं उन्हें भी किसी ना किसी राजनेता के साथ एडजस्ट किया जा सकता है ।अपने को तो इस बात की खुशी है कि भले ही एक दूसरे की बखिया उधेड़ने में राजनेताओं ने रामायण का सहारा लिया हो लेकिन कम से कम वे रामायण और उनके पात्रों को तो याद कर रहे हैं

कौन किसका दूल्हा है कौन किसकी दुल्हन

इन दिनों पूरे शहर में शादियों की भगदड़ मची हुई है हर सड़क पर बारात दर बारात निकलती जा रही हैं रोड जाम हो इससे बारातियों का कोई लेना देना नहीं है हालत तो ये है कि एक होटल में चार चार बारातें घुसी हुई हैं चूंकि सारे दूल्हे दुल्हन एक से लगते हैं इसलिए आने वाले मेहमान समझ ही नहीं पा रहे हैं कि वे किसके बुलावे में आए हैं और अपना लिफाफा कौन से दूल्हा दुल्हन को देना है। कोई किसी के रिसेप्शन में जा घुसा है तो कोई किसी दूसरे के रिसेप्शन का माल गटक रहा है एक का लिफाफा दूसरे के पास पहुंच रहा है तो दूसरे का तीसरे के पास और तीसरे का चौथे के पास । हालात ये है कि होटल वाले को भी समझ में नहीं आ रहा कि किस बारात वाले ने कौन से खाने का आर्डर दिया था। किसने सिर्फ तंदूरी रोटी की बात कही थी तो किसने चार तरह की पूडियों का आर्डर दिया था। जिसने चार तरह की मिठाइयों के ऑर्डर दिए थे उसके रिसेप्शन में मात्र गाजर का हलवा मिल रहा है और जिससे सिर्फ गाजर का हलवा का ऑर्डर किया था उसके यहां रसमलाई रसगुल्ला आइसक्रीम सब कुछ मिल रहा है मेहमान भी खुश है कि एक लिफाफे में चार चार रिसेप्शन का माल खाने मिल रहा है वो पापड़ इधर कर खाता है रोटी दूसरे रिसेप्शन से ले लेता है चावल तीसरे से और मीठा चौथे के काउंटर में जाकर सूंतता है । होटल वाले भी सोच रहे हैं जितने दिन शादियां हैं पैसा कमा लो अब पता लगा है अपने सूर्य भगवान धनु राशि में आने वाले हैं और जब सूर्य भगवान धनु राशि में आ जाते हैं तो गुरु कमजोर हो जाते हैं और जब गुरु कमजोर हो जाते हैं तो फिर शादी पर रोक लग जाती है यही कारण है कि हर दूल्हा सूर्यदेव के धनु में जाने के पहले अपने फेरे करवाना चाह रहा है अपने को तो समझ में नहीं आता कि सूर्य भगवान कभी धनु में तो कभी मकर में कभीवृश्चिक में तो कभी मीन में काहे के लिए घूमते फिरते रहते हैं कभी गुरु सो जाते हैं तो कभी शुक्र अस्त हो जाता है अरे भैया तुम लोगों के चक्कर में पता नहीं कितने दूल्हे कुंवारे रह जाते हैं बैठे रहो एक जगह बारह महीने कम से कम उनका ब्याह तो होने दो आपको दुआ देंगे

मामाजी हो गए हैं अनिल कपूर

कुछ समय पहले एक फिल्म आई थी नायक जिसमें फिल्म के हीरो अनिल कपूर एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बनते हैं और स्पॉट पर ही लोगों को सस्पेंड कर देते हैं उसी तर्ज पर आजकल अपने मामाजी याने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चल रहे हैं कब कहां पहुंच जाएं कहां का निरीक्षण कर ले यह भगवान भी नहीं जानता। अधिकारियों की सिट्टी पिट्टी गुम है सुबह से उठ कर ईश्वर से एक ही प्रार्थना करते हैं कि हे भगवान मुख्यमंत्री को हमारे इलाके में न भेजना अभी हाल में ही डिंडोरी में जाकर मामा जी ने एक ही झटके में पता नहीं कितने अफसरों को सस्पेंड कर दिया उनके तेवर इन दिनों योगी जी जैसे हो गए और होना भी चाहिए क्योंकि अगले बरस चुनाव होने वाले हैं और इस चुनाव के पहले यदि मामा जी ने अपने तीखे तेवर नहीं दिखाए तो फिर क्या किया लेकिन सब लोग आजकल यह चर्चा जरूर करते हैं कि मामाजी में अनिल कपूर की आत्मा कैसे समा गई हैं वरना मामा जी तो अफसरों पर आंख मूंदकर भरोसा करते थे जो अफसर कह देते थे वो मामाजी के लिए पत्थर की लकीर बन जाता था और अफसर भी मजे से अपनी नौकरी कर रहे थे लेकिन अब मामा जी वो मामा जी नहीं रहे अब तो मामा जी एक झटके में बड़े से बड़े अफसर को सस्पेंड करने में एक सेकंड भी नहीं लगा रहे लेकिन अपना मानना है कि मामा जी अगर पहले से ही इतने नरम न होकर इतने ही गरम होते तो आज ये दिन ना देखने पड़ते कि उन्हें स्पॉट पर ही लोगों को सस्पेंड करना पड़ता लेकिन एक बात तो है जनता मामा जी के इस रौद्र स्वरूप को देखकर बेहद खुश है अफसरों की हालत जरूर खराब है और होना भी चाहिए क्योंकि यही अफसर जनता की हालत खराब किए रहते थे अब उनकी हालत खराब हो रही है तो जनता को खुश होना तो लाजमी है ।

सुपर हिट ऑफ द वीक

श्रीमान जी और श्रीमती जी एक दूसरे की आंखों में आंखें डालकर एक ही प्लेट में फुलकी खा रहे थे ।

ऐसे क्या देख रहे हो अचानक श्रीमती जी ने रोमांटिक होकर पूछा थोड़ा आराम से गटको मेरी बारी ही नहीं आ रही है श्रीमान जी ने उत्तर दिया।

सिर उठाकर चल

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़

कर जीवन में शुभ कार्य,
होकर सुशिक्षित कहला आर्य,
कार्य से पूर्व सोच कर कदम बढ़ा,
घूम रहे जानी दुश्मन रख पहरा कड़ा,
सही- गलत कार्यों की कर पहचान,
कुश्ती का अखाड़ा है बन पहलवान,
मुखोटे पहनों की पहचान अब शक्ल,
जीवन में सदा सिर उठाकर चल।
क्या हुआ अगर नहीं मिला सहारा,
रुकना काम नहीं कर उनसे किनारा,
पैर तुझे खुद ही अपने मजबूत करने,
सड़क पर पड़े जो खड्डे तुझे ही भरने,
जिन पर रखी उम्मीदें अब छोड़ दे भरोसा,
न कर परवाह उनकी जिसने तुझे कोसा,
सच्चे -सीधे कार्यों पर अपनी दौड़ा अकल
जीवन में सदा सिर उठाकर चल।
चल नेकी की राह पर कहीं हाथ बढ़ेंगे,
होकर घुड़सवार कई तेरे पीछे चलेंगे,
बाधाएं भी खड़ी होंगी बनकर मित्र,
धो देगी मन को मानो गंगाजल पवित्र,
पैरों की बेड़ियां अब काट डाल,
सुधार समय रहते लड़खड़ाती चाल,
व्यर्थ न बीत जाए कहीं एक भी पल,
जीवन में सदा सिर उठाकर चल।
रखना होगा खुद पर पूर्ण विश्वास,
मंजिल पाने से पहले न छोड़ना आस,
करना ऐसा काम हो देश का रोशन नाम,
पहुंचकर मंजिल पर मिलता परिणाम,
इज्जत कमाना कोई आसान काम नहीं,
पल भर में मिट जाती बनी इज्जत सही,
बनेगा महान तो चलेगा दल- बल,
जीवन में सदा सिर उठाकर चल।
जगह -जगह खड़ी है बुराइयां छिपकर,
करती है अंधा बुद्धि से लिपट कर,
क्या कहना उनका जिनकी होती मति भ्रष्ट,
बात उनकी कभी भी नहीं होती स्पष्ट,
रखना बुरों से भले ही खुद को अकेला,
जिंदगी यह पल भर का है मेला,
भूलकर भी बुरी संगत में न पड़,
जीवन में सदा सिर उठाकर चल।

शक्कर कारखाने को पुनर्जीवित करने की कार्रवाई के लिए ग्राम चमरगवा कैलारस में क्षेत्र के किसानों द्वारा मुख्य मंत्री श्री शिवराजसिंह का आभार व्यक्त किया

कारखाना चलाने गन्ना पैदा करने का किसानों ने लिया संकल्प

गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

कैलारस- कैलारस शक्कर कारखाना बरसों से बंद पड़ा है । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने इस कारखाने को पुनःचलाने की मंशा से मशीनरी को स्क्रेप मे बिक्री हेतु नीलामी को रद्द कर दिया है व उत्पादन प्रारंभ करने का मार्ग प्रशस्त किया है।इस मशीनरी को उत्पादन हेतु उपयोग करने के प्रस्ताव के साथ एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर निवेदन किया, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया और मशीनरी की नीलामी को रद्द किया गया और नीलामी रद्द होने के बाद यह शक्कर कारखाना पुनः चालू होगा,क्योकि नीलामी का निरस्तीकरण किसानो की कम्पनी मध्यान्चल किसान उद्योग के इस प्रस्ताव पर ही की गई है कि कम्पनी सभी देनदारियो का भुगतान कर उत्पादन प्रारंभ करेगी।
मशीनरी की नीलामी रद्द होने से क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है, इस अवसर पर गांव चमरगवा के हनुमान मंदिर पर चमरगवा खेरा महादेवपुरा आदि छः गांवो के किसानो द्वारा एक धन्यवाद सभा का आयोजन किया गया। जिसमें इसी कारखाने के पूर्व जी एम व मध्यान्चल किसान उद्योग के संस्थापक एमडी पाराशर ,किरार समाज के वरिष्ठ मार्ग दर्शक रघुनाथ सिंह राजपूत से नि डी एस पी दृग्रेन्द्र सिंह जादौन बामसौली डासी पी शर्मा रामलाल धाकड राजेन्द्र शुक्ला बनबारी लाल शुक्ला नागेश जापथाप लखन लाल सरपंच चिरोजी लाल पूर्व सरपंच आदि के साथ लगभग दो सौ गन्ना उत्पादक भी उपस्थित थे इस सभा मे हर्ष उत्साह के साथ मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह का क्षेत्र समाज व व गन्ना उत्पादको की ओर से धन्यवाद आभार प्रस्ताव पारित किया।इस सभा मे इस कार्यवाई हेतु योजना बनाकर सभी का सहयोग के साथ सफल क्रियान्वयन के लिए इस कारखाने के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक व मध्यान्चल किसान उद्योग लिमिटेड के संस्थापक श्री एम डी पाराशर, को सम्मानित किया गया। मध्यान्चल किसान उद्योग के सभी प्रस्तावको संस्थापको का भी आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर पाराशर ने कहा कि इस कार्य मे प्रदेश के मंत्री श्री तुलसी सिलावट, व श्री अरविंद भदौरिया जी ने भी महत्वपूर्ण सहयोग किया,श्री सिलावट जी प्रथम भेट मे प्रतिनिधिमंडल के साथ गये और मिलाया और श्री भदौरिया जी ने विभाग की ओर से प्रथम दिवस से अंत तक नीलामी रद्द कर पुनः उत्पादन प्रारंभ करने के लिए किसानो के हित मे दृढ़संकल्प के साथ काम किया यह कार्यवाई जिले मे किसानो के हित मे सबसे बडी कार्यवाई है।जिसका श्रेय मुख्यमंत्री महोदय ,व उपरोक्त मंत्रीओ को ही है। अब यह कारखाना अद्यतन तकनीक से चलेगा,गन्ना उत्पादन का सर्वे कर क्षमता तय की जाऐगी , सिचाई क्षमता के अनुसार विशेषज्ञो का आकलन है कि लगभग चार हजार टन प्रतिदिन गन्ना पिराई हो सकेगी अर्थात लगभग सवा से डेढ करोड रूपए मूल्य का गन्ना एक दिन मे खरीदा जा सकेगा।कारखाने मे शक्कर के अलावा इथानाल बिजली कार्डवोर्ड, पोटाश बायो फर्टिलाइजर्स पशुआहार आदि का उत्पादन भी हो सकेगा। मुख्य मंत्री महोदय किसानो के प्रति अति संवेदनशील है,उन्होने इस कारखाने पूर्व मे तीन करोड की सहायता दी थी और गुना डबरा के किसानो को गुना गन्ना ले जाने पर परिवहन अनुदान दिया था।इस प्रकरण मे भी हमारे प्रस्ताव देने के 1 घंटे में ही विक्रय के निर्णय को प्रथमत स्थगित किया और अंतत नीलामी को रद्द करने कर किसानों के प्रति अपनी संवेदनशीलता को दिखा दिया, कि वे इसको बेचने के नहीं बल्कि पुनः चालू करने के पक्षधर भी थे ,इससे यह तय है कि किसानों की चिंता करते है जिस प्रकार एक पेड़ अनेक प्रकार से अलग अलग लोगों को फायदा पहुंचाता है उसी प्रकार आने वाले समय में शक्कर कारखाना भी किसानों की आय तो बढ़ाएगा ही साथ ही क्षेत्र मे रोजगार व्यवसाय की वृद्धि भी होगी।
कार्यक्रम के प्रारंभ मे सभी अतिथियों का भी पुष्पहारों से स्वागत किया गया। मंच संचालन महेश श्रीवास्तव ने किया। सभा को कृषि विशेषज्ञ दृग्रेन्द्र सिंह जादौन रघुनाथ सिंह यादव बनबारी लाल शुक्ला राजेन्द्र शुक्ला हरिओम शर्मा नागेश शर्मा चिरोजी लाल धाकड ने सम्बोधित किया । इस सभा मे भविष्य मे गन्ना उत्पादन हेतु कार्य योजना पर चर्चा की गई किसानो ने आगामी तीन दिनो मे गन्ने उत्पादन के इच्छुक किसानो की रकबा सहित सूची बनाकर प्रत्येक से संकल्प प्राप्त कर प्रस्तुत करने का वचन दिया।

व्यापारियों ने स्वर्ण जयंती दीपोत्सव महोत्सव

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

युवा उधोग व्यापार मंडल (मिश्रा गुट) के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में स्वर्ण जयंती दीपो उत्सव जगह-जगह मनाया जा रहा है, स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष में आज एटा नगर में जगह-जगह आतिशबाजी एवं दीप प्रज्वलन का अयोजन किया , और हर व्यापारी ने दुकान पर दीप जलाए, सभी व्यापारियों ने मिलकर घंटाघर पर दीप जलाकर और आतिशबाजी चलाकर 50 वर्ष पूर्ण होने पर व्यापार मंडल के इस उत्सव को बड़ी धूम-धाम से मनाया , युवा व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सुजीत देव वार्ष्णेय उर्फ पिंकी भैया ने सभी व्यापारियों का आभार प्रकट किया, ऐसे ही कार्यक्रम पूरे नगर में सब्जी मंडी, हाथी गेट, पीपल अड्डा, पुरानी बस्ती, ठंडी सड़क, जीटी रोड, आदि स्थानों पर प्रभारी नियुक्त करते हुए उनके द्वारा दीप उत्सव कार्यक्रम कराया गया जिसमे जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष संजीव जैन उर्फ राजू, जिला महामंत्री राकेश वासनी चकोरी ,कोषाअध्यक्ष प्रसून वार्ष्णेय, अनवार पान वाले, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत गुप्ता ,प्रदीप भामाशाह ,राकेश वार्ष्णेय गिलेट वाले,नीरज गुप्ता हार्डवेयर ,डोबी जैन ,गणेश वार्ष्णेय अतुल राठी, अमित गुप्ता, गोपाल , चंद्रपाल वार्ष्णेय, विशाल ,इंतजार घड़ी वाले, डेविड जैन, आदि व्यापारी बंधु उपस्थित रहे।

14 सूत्रीय मांगों को लेकर ओबीसी महासभा ने निकाली रैली

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

ओबीसी महासभा के स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के तमाम युवाओं ने नगर में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर रैली निकाली। जिसमें उन्होंने शासन प्रशासन पर युवाओं की उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ओबीसी महासभा के बैनर तले नगर में

शेषराम रहांगडाले एवं सौरभ लोधी ने किया नेतृत्व

निकाली गई आक्रोश रैली में शामिल युवा हाथों में विभिन्न मांगों को पूरा किए जाने की तख्ती लिए नजर आए। जहां युवाओं ने प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए उनकी 14 सूत्रीय मांगे जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई। युवाओं की यह आक्रोश रैली कमला नेहरू हॉल में आयोजित कार्यक्रम के तुरंत बाद निकाली गई। यह रैली कमला नेहरू हॉल से अंबेडकर चौक, यहां से हनुमान चौक से मेन मार्केट होती हुई काली पुतली चौक से पीजी कॉलेज के सामने पहुंची वहां से अंबेडकर चौक होते हुए पुनः कमला नेहरू हॉल पहुंचकर इस आक्रोश रैली का समापन किया गया। जहां रैली में शामिल युवाओं ने वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर को को लेकर शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की, वही आक्रोश रैली का समापन किया गया ।

इन 14 सूत्रीय मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार-ओबीसी महासभा के बैनर तले इस आक्रोश रैली में शामिल युवाओं ने बालाघाट जिले के सभी 10 तहसीलों में शासकीय महाविद्यालयों की संख्या बढ़ाई जाए व स्कूल से लेकर महाविद्यालय तक शिक्षा का निजीकरण बंद हो। जिले के समस्त महाविद्यालयों में हजारों की संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राएं प्रवेश लेती है लेकिन जिला मुख्यालय में छात्रावासों में उनकी आवास की सुविधा बहुत कम है। जिससे जिला मुख्यालय में करीब 10 शासकीय छात्रावास निर्मित किया जाए, जिले के खेल प्रेमी युवाओं के लिए खेल मैदानों की पृथक व्यवस्था

की जाए। समस्त महाविद्यालय व स्कूलों में पुस्तकालयों की संख्या बढ़ाई जाए। जिले के समस्त महाविद्यालयों में समस्त खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाए, जिले में शिक्षा व्यवस्था के लिए प्राथमिक शिक्षक से लेकर व्याख्याता तक रिक्त पड़े पदों पर शीघ्र भर्ती की जाए, जिले में उद्योग धंधों की स्थापना किया जाए, जिले के सभी तहसीलों के हिसाब से हर तहसील में 8 से 10 इंडस्ट्रीज एरिया बनाया जाए व शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए जिले में रोजगार के साधन उपलब्ध कराया जाए। जिले की सभी मैगनीज खदान में हो रहे निजीकरण को बंद किया जाए व पूर्व कांग्रेस सरकार की तरह शिक्षित बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिए जाने की मांग की है।

हम आखिरी बार निवेदन करने आए हैं: सौरभ लोधी-मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ओबीसी महासभा जिला अध्यक्ष सौरभ लोधी ने बताया कि जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं द्वारा नगर में आक्रोश रैली निकाली गई है क्योंकि यह सरकार युवाओं की उपेक्षा कर रही है । जिले में निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है । निजी स्कूल कॉलेज को मान्यता देकर अप्रत्यक्ष रूप से निजी संस्थानों को लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, जबकि जानबूझकर सरकारी संस्थाओं की व्यवस्थाओं में कमी लाई गई है। इसके अलावा जिले में उद्योग व्यापार इंडस्ट्रीज एरिया, युवाओं के लिए खेल मैदान आदि की व्यवस्था नहीं है। वर्षों से खाली पड़े रिक्त पदों की भर्ती नहीं की जा रही है जिले में 6 से 07 माइंस होने के बावजूद भी जिले के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है, बाहर राज्य से आने वाले लोग माइंस में नौकरी कर रहे हैं. माइंस का भी जगह-जगह निजीकरण किया जा रहा है। ना बच्चों को पढ़ाई करने के लिए पुस्तकालय है ना सरकारी कॉलेजों के विद्यार्थियों को एडमिशन मिल रहा है और ना ही कॉलेज में पढ़ने वाले युवाओं को छात्रावास की सुविधा मिल पाए मिल रही है ,जिसके चलते महंगा किराया देकर विद्यार्थी पढ़ने के लिए मजबूर हैं। इसके अलावा हमारी ऐसी कई मांगे हैं जिन को पूरा करने के लिए हम वर्षों से गुहार लगा रहे हैं लेकिन शासन प्रशासन द्वारा हमारी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं की जा रही है, केवल बात छात्र हित की ही नहीं बल्कि छात्र, युवा, मजदूर, किसानों सभी की आवाज लगभग 6 वर्षों से ओबीसी महासभा के बैनर तले उठाई जा रही है। लेकिन यह सरकार हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। लगातार युवाओं की उपेक्षा की जा रही है।

भाजपा ने मनाया सुशासन दिवस

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी को दी श्रद्धांजलि

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

भारतीय जनता पार्टी मण्डल लांजी के द्वारा 25 दिसंबर को श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर संपूर्ण मण्डल क्षेत्रान्तर्गत बुथों मे मनाई गई। भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया ने जानकारी देते हुये बताया की प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी बुथो में 25 दिसंबर को माननीय अटल जी की जयंती अवसर को सुशासन दिवस के रूप में मनाना है जिसके परिपालन में लांजी क्षेत्र के नेवरवाही, नंदोरा, घोटी, अमेडा पा, थानेगांव, सहेकी, पाथरगांव, कलपाथरी, पूर्वाटोला, भुरसाडोंगरी एवं लांजी नगर के सभी बुथों में श्रद्धेय अटल जी की जयंती गरीमामयी माहौल मे मनाई गई। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, हिराचंद आसटकर, अविनाश रैंच, ताराचंद कालबेले, विजय गोस्वामी, दिनेश कचवाहे, किशोर रामटेक्कर, संजय सय्याम, तुकाराम बारेकर एस टी मोर्चा मण्डल अध्यक्ष, बृजलाल पांचे पुर्व सरपंच, सेवकराम आसटकर, नाथूराम सोनवाने, सालिकराम चौधरी, मीलेश चौके, व्यंकट घोरमारे, बादल रंधाये, आयुष नारनोरे, प्रकाश बारेकर, रीखीराम बारेकर, आकाश रंधये, अभिषेक वाकडे, राजा धारने, जयराम चौधरी, पंकज चौधरी, जितेंद्र सहारे, नविन मानकर, सुनिल मातरे, श्रीमति अनिता चौधरी, निलिमा नंदनवार, कविता मात्रे, जितेश्वरी मातरे, अनुसया कामडे, इसी क्रम में उक्त बुथो के बुथ अध्यक्ष, महामंत्री, बीएलए, शक्ति केन्द्र के प्रभारी, संयोजक,सहसंयोजक एवं पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अटल जी प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए पथ प्रदर्शक - आलोक चौरसिया- भाजपा मण्डल लांजी अध्यक्ष आलोक चौरसिया ने इस दौरान कहा यदि अटल बिहारी जी के जीवन दर्शन को देखा जाय तो अटल जी का जीवन हमेशा ऐसा प्रतीत होता है कि वह संघर्ष साहस और ईमानदारी की प्रतिमूर्ति है। उन्होने ना सिर्फ ग्रामीण विकास का आधारभूत ढांचा तैयार किया बल्कि उसके साथ साथ उन्होने अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य किया। हमें भी इसी लक्ष्य के साथ आगे बढना है। प्रत्येक कार्यकर्ता को अटल जी के जीवन चरित्र के बारे में निश्चित ही अध्ययन करना चाहिये, जानना चाहिए, अटल जी का संपूर्ण जीवन प्रत्येक व्यक्ति के लिये पथ प्रदर्शक का कार्य करता है। अटल जी हमे सभी के प्रेरणा स्त्रोत है जिन्होने कभी भी अपने सिद्धांतो से कोई समझौता नही किया। पूर्ण ईमानदारी और राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत होकर आज भाजपा संगठन को वटवृक्ष के रूप में स्थापित किया है।

राजा भोज की भव्य प्रतिमा के लिए भूमि पुजन कार्यक्रम हुआ संपन्न

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

पंवार समाज के द्वारा अपने अस्तित्व को स्थापित करने के लिए चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज के प्रतिमा को स्थापित करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम समाज के लिए सर्वशक्तिमान मां गड़ कालिका देवी को साक्षी मानकर कुलदेवी की आराधना की गई तथा मां गढ़कालिका देवी एवं चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पूजा अर्चना करते हुए भूमि पूजन कार्यक्रम की आधारशिला रखी गई। उक्त कार्यक्रम रविवार को प्रातः 10:30 बजे क्षत्रिय पवार समाज संगठन सावरी कला के तत्वाधान में माता मंदिर चौक के सामने आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शेषराम रहागडालें जिला महासचिव बालाघाट, महेन्द्र पटेल अध्यक्ष पंवार समाज लांजी, श्रीमती पुष्पा बाई रहागडाले महिला अध्यक्ष पंवार समाज लांजी, निलकंठ ठाकरे जनपद सदस्य लांजी, ओमकार रहांगडाले सरपंच सावरीकला के मुख्यातिथि में संपन्न हुआ। राजा भोज की मूर्ति स्थापना के लिए गुरुदेव ओमप्रकाश साहिब एवं गुरूदेव यशवंत साहब के द्वारा पूजा अर्चना कर सभी उपस्थित अतिथियों के द्वारा राजा भोज के प्रतिमा की आधारशिला रखी। भूमि पूजन कार्यक्रम में क्षत्रीय पवार समाज संगठन सावरीकला के अध्यक्ष अशोक पटेल, सचिव सुरेश बोपचे, महिला अध्यक्ष मुनेश्वरी बाई रहांगडाले, युवा अध्यक्ष कृष्ण कुमार पारधी, डाक्टर संतोष कुमार गौतम, डॉक्टर चमहरूलाल पटेल, डॉ भक्तराज हरिनखेडे, उत्तमलाल हरिनखेडे, सहदेव पटले, राजेंद्र ठाकरे, प्रदीप ठाकरे, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण स्वच्छताग्राही रविप्रकाश गौतम, ग्राम के वरिष्ठ देवलाल ठाकरे बारकु पटले, छोटेलाल गौतम, महादेव गौतम, ईदू बाई बिसेन, निलचंद रहांगडाले और पंवार समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल का पोंडी में निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र ऑपरेशन शिविर संपन्न

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

महावीर इंटरनेशनल लांजी के द्वारा 25 दिसंबर को विकासखण्ड लांजी अंतर्गत ग्राम पोंडी में निशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम स्व. चैतूलाल बिलावर, स्व. कस्तूरा बाई बिलावर, स्व. भैयालाल बिलावर एवं स्व. जानकी बाई बिलावर की स्मृति नंदकिशोर बिलावर के द्वारा महावीर इंटरनेशनल लांजी के मार्गदर्शन में एवं ग्रामीण वरिष्ठ नागरिक के पूर्ण सहयोग से आयोजित किया गया। प्रातः 11 बजे से 4 बजे तक शिविर चला जिसमें आस पास के गांव दीघोरी, कुम्हरिकला, पालडोंगरी, कुम्हारी खुर्द, पाथरगांव, कलपथारी कुम्हारीकला, बिजलगांव, आवा, चुरली, सिहारी, बोलेगांव, मोहझरी, बेनेगांव ,लाडसा, बोरीकला, झिंगुटोला के ग्रामीण जनों ने सेवा का

लाभ लिया। शिविर में 125 लोगों का पंजीयन किया गया तथा 42 मरीज मोतियाबिंद चयनित किए गए। कुछ मरीज बीपी शुगर के कारण अनफिट पाए गए। सभी मरीजों को आवश्यकता अनुसार आवश्यक दवाइयां निशुल्क दी गई और मार्गदर्शन दिया। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में संस्था के प्रशिक्षक डॉ कर्मवीर सिंह, डॉ राजा इन्द्र कुमार भूते एवं डॉ अरशद खान के द्वारा आंखों की जांच एवं स्वास्थ्य की जांच निशुल्क बीपी शुगर तथा संबंधित रोगों की जांच कर विस्तृत जानकारी दी। शिविर में विशाल राउत खोंगल डिप्टी डायरेक्टर और चेयरमेन लांजी, नंदकिशोर बिलावर, अतुल बिलावर, झनक बिलावर, आशु बिलावर, राधेश्याम नखाते उपसरपंच लाडसा, पवन खरखाते, रूपेश नखाते एवं समस्त स्थानिय जन तथा महावीर इंटरनेशनल लांजी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा जी का साहित्य दर्शन

पवन विश्वकर्मा पुष्पांजलि टुडे

ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा भारत के सातवें राष्टपति थे इनका जन्म 5 मई, 1916 को पंजाब के फरीदकोट जिले के संधवान ग्राम में हुआ था आज उनका जन्मदिन भी है तविश्वकर्माज्ञानज्योति की तरफ से सभी देश वासियों को ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा जी के जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं

ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा जी का जन्म और जन्म स्थान

शुभकामनाएं ड़ड़छोटी उम्र में ही ज्ञानी जेल सिंह जी की माता का देहांत हो गया. इनका पालन-पोषण इनकी माता की बड़ी बहन द्वारा किया गया ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा बहुत अमीर परिवार से नही थे मध्यम वर्ग लालन पालन हुआ था उनके पिता किशन सिंह जी बढ़ई का कार्य करते थे
ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा स्वतंत्रता सेनानी हैट्ठ मात्र 15 वर्ष की आयु में ही वह ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध काम कर रहे अकाली दल से जुड़ गए थे. अमृतसर के शहीद सिख मिशनरी कॉलेज से गुरु ग्रंथ का पाठ मुंह जबानी याद करने के बाद इन्हें ज्ञानी की उपाधि से नवाजा गया. सन 1938 में जरनैल सिंह ने प्रजा मंडल नामक एक राजनैतिक पार्टी का गठन किया जो भारतीय कॉग्रेस के साथ संबद्ध होकर ब्रिटिश विरोधी आंदोलन किया करती थी. अंग्रेजों के लिए यह सहन करना मुश्किल हो गया था.

ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा नाम क्यों पड़ा- अग्रेज ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा जी के विरोध प्रदर्शन को सहन नही कर पाएं ।अंग्रेजो ने ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा की आवाज को दबाने के लिऐ उनको जेल भेज दिया उस समय ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा जी को असली नाम जरनैल सिंह विश्वकर्मा के नाम से जाना जाता था उन्हें पांच वर्ष की सजा सुनाई गई. इसी दौरान उन्होंने अपना नाम बदलकर जैल सिंह (जेल सिंह) रख लिया.

ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा विश्वकर्मा वंशज कैसे है-सिक्ख धर्म सनातन धर्म की रक्षा के लिऐ सनातन धर्म की दो जातियों से बना है एक राजपूत दूसरा पूर्ण विश्वकर्मा वंश अर्थात एक हथियार चलाने वाले और एक हथियार बनाने वाले । सिक्ख धर्म में विश्वकर्मा वंश को रामगढ़िया के नाम से संबोधित किया जाता है रामगढ़ियाओ में लुहार बढ़ई का झगड़ा नहीं है रामगढ़िया पांचाल और धीमान दोनो उपनामों का भी इस्तेमाल करते है

ज्ञानी जैल सिंह का व्यक्तित्व-ज्ञानी जैल सिंह बचपन से ही भारत की स्वतंत्रता के लिए जागरुक थे. छोटी सी उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिशों के खिलाफ चल रहें आंदोलनों में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी. वह केवल एक दृढ निश्चयी और साहसी व्यक्तित्व वाले इंसान थे

ज्ञानी जैल सिंह का राजनैतिक सफर- स्वतंत्रता से पूर्व ज्ञानी जैल सिंह देश को स्वराज दिलाने और अंग्रेजों को खदेड़ने के लिए विभिन्न

आंदोलनों का हिस्सा बनने लगे थे. स्वतंत्रता के पश्चात ज्ञानी जैल सिंह को पटियाला और पूर्वी पंजाब राज्यों के संघ का राजस्व मंत्री बना दिया गया. 1951 में जब कॉग्रेस की सरकार बनी उस समय जैल सिंह को कृषि मंत्री बनाया गया. इसके अलावा वह 1956 से 1962 तक राज्यसभा के भी सदस्य रहे. सन 1962 में कॉग्रेस के समर्थन से ज्ञानी जैल सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री बने. 1980 के चुनावों में ज्ञानी जैल सिंह लोकसभा के सदस्य निर्वाचित होने के बाद इन्दिरा गांधी सरकार के कैबिनेट में रहते हुए गृह मंत्री बनाए गए. 1982 में नीलम संजीवा रेड्डी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद सर्वसम्मति से कॉग्रेस के प्रतिनिधि ज्ञानी जैल सिंह को राष्टपति पद पर बिठाया गया.

ज्ञानी जैल सिंह से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण घटनाक्रम-ज्ञानी जैल सिंह का राष्टपति के रूप में कार्यकाल प्रारंभ से अंत तक विवादों से ही घिरा रहा. इन्दिरा गांधी के आदेशों के अनुसार जब सिख अलगाववादियों के मंसूबे नाकाम करने के उद्देश्य से स्वर्ण मंदिर में छुपाए गए हथियार और खालिस्तानी समर्थकों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया गया, उस समय ज्ञानी जैल सिंह ही राष्टपति थे. इन्दिरा गांधी की हत्या और उसके विरोध में हुआ सिख नरसंहार भी इन्हीं के काल में हुआ. इसके अलावा भारतीय डाक विधेयक, जिसके अंतर्गत निजी पत्रों के संप्रेषण और आदान प्रदान पर आधिकारिक सेंसरशिप लगाने का प्रावधान लागू किया जा सकता था, जैसे कठोर और अलोकतांत्रिक विधेयक को पास ना करने पर भी ज्ञानी जैल सिंह का राजीव गांधी से मनमुटाव हो गया था. हालांकि इस विधेयक पर अपने विशेषाधिकार पॉकेट वीटो का प्रयोग कर इसे पास ना करने पर इन्हें नागरिकों की बहुत प्रशंसा मिली थी. लेकिन यह भी माना जाता है कि उनके इस कदम ने राजीव गांधी सरकार के पतन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. राजीव गांधी भारतीय डाक विधेयक जैसा कठोर विधेयक पास करवाना चाहते थे, उनकी इस मंशा ने समाज में उनकी छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया था.

ज्ञानी जैल सिंह का निधन-ज्ञानी जैल सिंह बेहद धार्मिक व्यक्तित्व वाले इंसान थे. राष्टपति पद पर पहुंचने के बाद भी जब कभी भी वह पंजाब के आस-पास होते थे, वह आनंदपुर साहिब जाना नहीं भूलते थे. इसी तरह वह लगातार तीर्थयात्राएं करते रहते थे. 1994 में तख्त श्री केशगढ़ साहिब जाते समय उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई. उन्हें पीजीआई चंडीगढ़ इलाज के लिए ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई. दिल्ली में जहां ज्ञानी जैल सिंह का दाह-संस्कार किया गया उसे एकता स्थल के नाम से जाना जाता है.

ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा जी विश्वकर्मा वंश को गर्व है-ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा देश के पहले विश्वकर्मा वंशज और सिख राष्टपति थे. वह देश और अपने धर्म के लिए प्रतिबद्ध और जनता के हितों की रक्षा करने वाले व्यक्ति थे. उन्होंने अपने कार्यकाल में यह बात प्रमाणित कर दी थी कि जनता और देश का विकास ही उनकी प्राथमिकता है. चाहे अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना हो या भारतीय डाक विधेयक पास ना करना हो, वह हमेशा अपने निश्चय पर अडिग रहे. भारतीय राजनीति में आज भी उन्हें एक निरपेक्ष और दृढ़ व्यक्तित्व वाले व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है।

ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा जी के वंशज कहा है- ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा के पुत्र जोगिंदर सिंह विश्वकर्मा जी है पौत्र इंद्रजीत सिंह विश्वकर्मा जी है आदरणीय इंद्रजीत सिंह विश्वकर्मा जी में स्वम ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा जी की छवि नज़र आती है इंद्रजीत सिंह विश्वकर्मा जी रात दिन विश्वकर्मा वंशजों को किस तरह प्रथम पँगती में लाया जाएं तन मन धन से लगे रहते हैं इंद्रजीत सिंह विश्वकर्मा जी के इन प्रयासों से विश्वकर्मा वंश उनका ऋणी है।

कछारगढ की गुफाएं एवं हाजराफाल की वादियों मोह रहीं पर्यटकों का मन

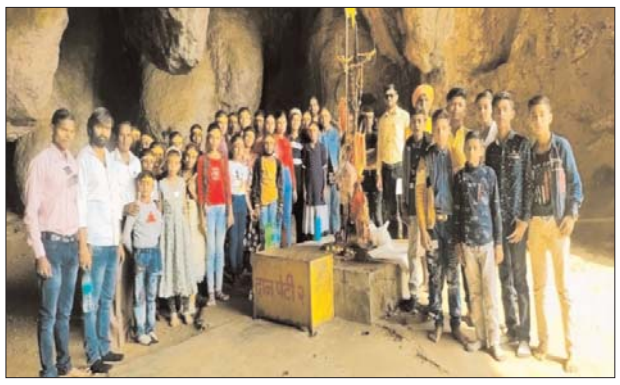

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

मध्य भारत में एक बड़ा इलाका जिसे गोंडवाना साम्राज्य के नाम से जाना जाता था। यह आज के महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ में फैला हुआ था। गोंडवाना गोंड आदिवासियों का साम्राज्य था और आज भी इन इलाकों में इस साम्राज्य के इतिहास की झलक दिखाई देती है। ऐसी ही एक झलक हमें कचारगढ की गुफाओं में मिलती है। महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ की सीमा पर सालेकसा तहसील में स्थित ये गुफाएं पहाड़ियों की हरियाली और प्राकृतिक खूबसूरती के बीच स्थित हैं। यह स्थान आदिवासी गतिविधियों का केंद्र बन जाता है, जब फरवरी के माह में यहां गोंड आदिवासी समाज का महाकुंभ लगता है। इस मेले में देश के कोने-कोने से गोंड समाज के पांच लाख से ड्यादा लोग भाग लेते हैं।

छात्रों ने जाना कछारढ का इतिहास- राष्ट्रीय गोंडीधर्म भूमि पारी कुपार लिंगों मां काली कंकाली देवस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद कोकोड़े, उपाध्यक्ष रमनलाल सलाम, कोषाध्यक्ष बारेलाल वरकड़े, सहसचिव मनिष पुषाम, बड़ा पुजारी नवलसिंग धुर्वे, गुट्टेराम भादू भलावी सेवक, प्रेमलाल वरकड़े छोटे पुजारी जंगो लिंगों उपलिंगों कोपा लिंगों छोटी गुफ़ा, रूजेलाल मडावी पुजारी भोलेनाथ लिंगा गोसाई धुनी बड़ी पहाड़ी, तीजू पंद्रे रानी राजा गुफा जय बड़ा देव सेवक ने सामुहिक रूप से जानकारी में कि 518 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस प्राकृतिक गुफा के पीछे मान्यता है कि सैकड़ों साल पहले गोंड समुदाय के पहले गुरु, पाहंदी पारी कोपार लिंगो ने इस गुफा की खोज की थी और माता काली कंकालीन के तैंतीस करोड़ बच्चों को मुक्त किया था। आज गोंड समाज में इन्हीं देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। प्रत्येक घर, गाँव-शहर और मोहल्ले में पेड़-पौधे, जल, जंगल, ड़मीन, नदी, तालाब, पहाड़-पर्वत तथा त्रिशूल, फरसा, तीर-कमान, हथियार एवं कृषि औजारों के रूप मे देवालय बसता है। इसके अलावा जीव-जंतु और वनस्पतियों में भी देवी-देवताओं का वास रहता है। गोंड समाज में प्रकृति एवं मनुष्य के बनाए गए सामानों की पूजा की जाती है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि उन सब में देवी-देवता बसते हैं।

इसी गुफा में हुई गोंड प्राकृतिक सम्मत धर्म की स्थापना- गोंडी धर्म की स्थापना धर्म गुरु पारी कोपार लिंगो ने 5000 वर्ष पूर्व इसी गुफा से की थी, इसलिए इस गुफा को पहाड़ी पारी कोपार लिंगो कचारगढ़ गुफा के नाम से जाना जाता है। यहां पर 3 फरवरी 2023 को मेले का आयोजन किया जाता है। कचारगढ़ मेले के दौरान हर साल गोंड समुदाय के लोग संगीत, गीत, नृत्य और रंगमंच के रूप में अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को मनाते हैं और जीवित रखते हैं। आप भी इस उत्सव में शामिल हो सकते हैं और आदिवासी संस्कृति की विविधताओं के बारे में अधिक जान सकते हैं। इन तमाम जानकारियों को जानकर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाथरगांव के माध्यमिक विभाग के बच्चों ने जमकर सराहा। ज्ञात हो कि यह एक भ्रमण शिविर था, जो कि बच्चों की हार्दिक इच्छा को त्रप्त करने के लिए तथा उन्हें सर्वांगीण जानकारी उपलब्ध हो इस हेतु संपन्न हुआ।

प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में मनाया गया क्रिसमस दिवस

गोहद -प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के, गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर के द्वारा क्रिसमस दिवस को बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। क्रिसमस दिवस की बधाई देते हुए ज्योति बहन जी ने कहा कि बड़े दिन के उपलक्ष में हम सभी को बड़े संकल्प लेना है। और पूरी ऊर्जा के साथ, उन्हें पूरा करना है भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए शुरुआत हमें स्वयं से करना होगी.... सुख देना है सुख लेना है... ना दुख देना है ना दुख लेना है... ईसा मसीह जी ने हम.. सभी को प्रेम से रहने का पाठ पढ़ाया और सभी को ब्लेसिंग देना सिखाया है अतः हम सभी लोग भी दयावान बनकर सभी पर रहम करें... इस अवसर पर ब्रह्माकुमार महेश भाई, शाखा बैंक कॉलोनी ने कहा कि हमें अपने जीवन को सरल बनाना होगा। हम सभी अपने जीवन को सिंपल बनाएंगे । हमें सिंपल लिविंग और हाई थिंकिंग का सूत्र अपने जीवन में अपनाना चाहिए। व्यर्थ दिखावे के चक्कर में हम सभी लोग अपने जीवन में तनाव ले लेते हैं इसलिए इससे बचने की आवश्यकता है। बी.के. सतनाम भाई, मालनपुर ने.. सकारात्मक चिंतन को अपनाने के लिए सभी का आह्वान किया आपने बताया कि सकारात्मक चिंतन अपनाने से हम अपने जीवन में बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इसी क्रम में नव वर्ष के कैलेंडर का विमोचन किया गया। प्रेरक प्रवक्ता बी.के .आशीष भाई ने कहा कि दया - धर्म का मूल है। अतः हमें सभी प्राणियों के प्रति दया का भाव अपनाना चाहिए, जैसे ईसा मसीह जी सभी के प्रति अंत समय तक दयावान रहे और सभी को उन्होंने माफ किया। उसी तरह हमें भी अपने जीवन में सब को माफ करना सीखना होगा। सच्ची आध्यात्मिकता वही है, जो हमें दया का भाव सिखलाती है। टेकनपुर से पधारी ब्रह्माकुमारी भावना बहन जी ने सभी को राजयोग की अनुभूति कराई एवं डॉ. अरविंद सिंघल जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। वही झांसी से पधारे हुए, ब्रह्माकुमार बृजेश भाई ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि यदि संकल्प में दृढ़ता है तो बड़ी-बड़ी समस्याएं भी हमारे आगे घुटने टेक देगी। तत्पश्चात उपस्थित लोगों को खेलकूद प्रतियोगिताएं कराई गई व विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया एवं एक दूसरे को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी गई।

खिलता कमल युवा सम्मेलन का आयोजन संपन्न

गोहद। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई जी के जन्म स्मृति पर भारतीय जनता पार्टी का खिलता कमल युवा सम्मेलन का आयोजन गोहद नगर पालिका प्रांगण में संपन्न हुआ। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा कल का भविष्य है मैं भी युवा मोर्चा में पहले जिला महामंत्री रहा हूं जिसके बाद मैंने विधायक मंत्री एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया है भारतीय जनता पार्टी में युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलता है यह प्रथा कांग्रेस में नहीं है। उन्होंने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई को नमन करते हुए कहा कि हम आज हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी की जन्म स्मृति मना रहे हैं उन्होंने हमें गांव से जुड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, भारत को चतुर्भुज रोडों से जोड़ने की योजना राष्ट्रीय राजमार्ग योजना जैसी अन्य योजनाओं की सौगात दी उन्ही के पद चिन्हों पर चलते हुए आज हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देश का सम्मान बढ़ा रहे हैं आज हमारे देश का डंका पूरे विश्व में बज रहा है इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं को भी गिनाया।

अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा पर पहुंचकर किया माल्यार्पण- पूर्व मंत्री व अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने सबसे पहले गोलंबर तिराहा पर स्थित अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा पर पहुंचकर माल्यार्पण किया और उन्हें नमन किया। जिसके पश्चात सर्वोदय स्कूल में पहुंचकर कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ कर खिलाड़ियों से परिचय किया और राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके खिलाड़ियों को पुरस्कृत करने के लिए रात्रि में होने वाले कवि सम्मेलन में आमंत्रित किया। रात्रि में होगा आयोजित कवि सम्मेलन- 25 दिसंबर को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्म स्मृति के अवसर पर रात्रि में कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। रात्रि में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन में ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज के विजेता हास्यकवि सुरेश अलबेला, कवि सुमित ओरछा, कवि मोहन मुंतड़िर, कवियित्री सपना सोनी, कवि अजय अंजाम और कवि उपेंद्र पांडेय अपनी सुरीली कविताओं से कवि सम्मेलन को संपन्न कराएंगे।

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुड़ा वडेर में भजन संध्या का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

हैदराबाद - सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडां वडेर के पधाकारियों एवं कार्यकारिणी व माताओं बहनों के सानिध्य में भजनों कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सर्वप्रथम आईमाताती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर आईमाताजी व बाबा रामसापीर की आरती की गई। उसके बाद सुबह 11 बजे श्री आईमाताजी सोनाणा खेतलालजी बाबा रामदेवजी महाराज, सितला माताजी को लाभार्थी परिवार एंव समाज के पदाधिकारियों एंव कार्यकारिणी समाज बन्धुओं ने भोग लगाया।उसके बाद माताओं बहनों ने राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। बालक, बालिकाओं के साथ बड़े बुजुर्ग व महिलाओं ने भक्ति के साथ साथ भजनों का भरपूर आनन्द लिया व सभी जन भाव विभोर होकर नाचने लगे। श्री आईमाताजी वडेर परिसर में भक्ति में सराबोर रहा।

इस अवसर पर लाभार्थी परिवार के धर्म पत्नी का समाज द्वारा माला एवं साल पहनाकर स्वागत किया गया ।इस कार्यक्रम में भोजन प्रसाद की व्यवस्था समाज द्वारा किया गया ।इस आयोजन के लाभार्थी दलाराम सोंलकी गणेश किराणा स्टोर का बहुमान किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों एंव कार्यकारिणी कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया । शाम 9 बजे सीरवी समाज करमनघाट अलमासगुडां के भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। ये जानकारी संस्था के सचिव हिरालाल सेंणचा द्वारा दी गई।

ग्वालियर मे विश्वकर्मा जन संगठन म.प्र.द्वारा देश के पूर्व राष्ट्रपति स्व.श्री ज्ञानी जैल सिंह जी की पुण्यतिथि पर संगठन के सभी कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किए

पवन विश्वकर्मा पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर गेंडे वाली सड़क विश्वकर्मा मंदिर पर श्री मोहन विश्वकर्मा (संरक्षक)जी के नेतृत्व में मनोज विश्वकर्मा (प्रदेश अध्यक्ष)सुदामा विश्वकर्मा(प्र.कार्यालय प्रभारी) वीर सिंह (महानगर अध्यक्ष ग्वा.)छवि राज विश्वकर्मा (ग्वालियर ग्रामीण अध्यक्ष) राजेंद्र विश्वकर्मा(ग्वा 15 विधानसभा अध्यक्ष) रवि विश्वकर्मा(दक्षिण विधानसभा अध्यक्ष) टिंकू विश्वकर्मा(उपाध्यक्ष) अजय विश्वकर्मा(उपाध्यक्ष) राम रूप विश्वकर्मा भारत विश्वकर्मा, गिर्राज ओझा(पत्रकार)पवन विश्वकर्मा (पत्रकार) श्याम विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष,एवं सभी संगठन के कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। राजेंद्र विश्वकर्मा ( )जी ने कहा की हमारे समाज के पूर्व राष्ट्रपति स्व.श्री ज्ञानी जैल सिंह जी ने स्वतंत्रता से पूर्व ज्ञानी जैल सिंह देश को स्वराज दिलाने और अंग्रेजों को खदेड़ने के लिए विभिन्न आंदोलनों का हिस्सा बनने लगे थे स्वतंत्रता के पश्चात ज्ञानी जैल सिंह को पटियाला और पूर्व पंजाब राज्य के संघ का राज्यस्व मंत्री बना दिया गया 1951 में जब कांग्रेस की सरकार बनी उस समय जैल सिंह को कृषि मंत्री बनाया गया इसके अलावा वह 1956 से 1962 तक राज्यसभा के सदस्य रहे सन् 1962 में कांग्रेस के समर्थन में ज्ञानी जैल सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री बने 1980 के चुनाव में ज्ञानी जेल सिंह लोकसभा के सदस्य निर्वाचित होने के बाद इंदिरा गांधी सरकार के कैबिनेट में रहते हुए गृह मंत्री बने बनाए1982 नीलम संजीव रेड्डी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद सर्वसम्मानित से कांग्रेस के प्रतिनिधि ज्ञानी जैल सिंह को राष्ट्रपति पद पर बिठाया गया. समरस करने के बाद हो गए राष्ट्रपति बने।

मसीह समुदाय के द्वारा प्रभु यीशु के जन्म पर विशेष कार्यक्रम किए आयोजित

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

लांजी- मसीह समुदाय का बडा दिवस जिसे क्रिसमस दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन मसीह प्रभु यीशु का जन्म हुआ था। मसीह समुदाय के द्वारा प्रभु यीशु के जन्म पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर 24 दिसंबर की रात्रि से 25 दिसंबर संपूर्ण दिन तक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है सर्वप्रथम रात्रि 12 बजे प्रभु यीशु के जन्म दिन की शुरूआत बाईबल आराधना के पश्चात केक काटकर जन्म दिन की खुशियॉ मनाई जाति है एवं समुदाय के सभी लोगो को मिठाईया बांट बधाईयो का दौर प्रारंभ हो जाता है। बाईबल से बडे दिन का महत्व आदि विषय पर प्रवचन दिया जाता है। कार्यक्रम के अंत मे भोजन आदि करवाकर कार्यक्रम की समाप्ति कि जाती है। इस शुभ अवसर पर हमने अल्फा अराधनालय के पास्टर महेन्द्र नागदेवे से चर्चा की तो उन्होने 25 दिसंबर की विशेषताओं की बारे मे बताते हुये कहा की मसीह समुदाय क्रिसमस दिवस को बडा दिन मानता है क्योकि युं तो प्राचीन वेद शालाओं के शोध के आधार पर 21 जून या 22 जून को वर्ष का सबसे बडा दिन एवं 22 दिसंबर को वर्ष का सबसे छोटा दिन माना जाता है परन्तु मसीह समुदाय का मानना है कि पूरे विश्व मे प्रभु यीशु के जन्म दिन को बड़े दिन के रूप मे मनाया जाता है। प्रभु यीशु जगत के पापो को क्षमा करने लोगो को शांति देने और प्रेम का संदेश देने इस दुनिया में आये थे इसी कारण इनके जन्मदिन को बडा दिन माना जाता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पास्टर महेन्द्र नागदेवे, पा. सीताराम रहांगडाले, जितेन्द्र नागवंशी, अनाराम बोरकर, तिलक गोस्वामी, लवकुश अजित, महेन्द्र बागडे, अंजिलाल नेताम, श्रीराम बावने, गनपत गोस्वामी, हरिचंद गोस्वामी, फुलचंद गोस्वामी, देवेन्द्र रहांगडाले, संतोष मेश्राम, हरी मेश्राम, छतरूलाल मेश्राम, रमेश बिलगौर, तिलक चंद नारनौरे, लावेन्द्र घोरमारे, राहुल भोण्डेकर, तथा क्षेत्र के मसीह समुदाय के लोगो ने भाग लिया। पा. महेन्द्र नागदेवे के द्वारा थाना प्रभारी लांजी सहित पुलिस का विभाग एवं समस्त सहयोगियो का आभार व्यक्त किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमो का हुआ आयोजन- क्रिसमस पर्व पर प्रार्थना भवन चर्च के समीप सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है जिसमें समुदाय के लोगो के द्वारा प्रतिभागिता की जाती है, नृत्य, गायन सहित अनेको कलाओ का प्रदर्शन किया जाता है तथा इन सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागियो को पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

सिविल अस्पताल लांजी में फल वितरण- मसीह समुदाय के द्वारा जंहा 24 दिसंबर की रात्री से क्रिसमस पर्व का आयोजन प्रारंभ कर दिया जाता है वंही 25 दिसंबर को सर्वप्रथम समुदाय के द्वारा लांजी के सिविल अस्पताल पंहुचकर मरीजो को तथा उपस्थित सभी जनो को फल वितरण करते हुये बताया की आज प्रभु यीशु का जन्म दिवस है, प्रभु यीशु प्रेम का संदेश देने इस दुनिया मे आये थे हम सभी आपस में प्रेम भाव के साथ रहे इसी आशय के साथ अस्पताल में फलो का वितरण किया गया था, अस्पताल में उपस्थित मरीजो के जल्द स्वस्थ होने की कामना की, इस दौरान सिविल अस्पताल लांजी में उपस्थित डाक्टर्स एवं नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में सघन निरीक्षण कर छापामार कार्यवाही की

गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

मुरैना। आबकारी विभाग द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत जिला आबकारी अधिकारी सुश्री निधि जैन के मार्गदर्शन में गत दिवस जिले की कम्पोजिट मदिरा दुकान मुरैना क्रमांक 1, मुरैना क्रमांक 2, मुरैना क्रमांक 4, गोपीनाथ की पुलिया, रछेड, दिमनी, कैलारस क्रमांक 1 एवं कैलारस क्रमांक 3 का सघन निरीक्षण किया गया। मुरैना शहर की सिंगल बस्ती में अवैध शराब की बिक्री की शिकायत की जांच हेतु आबकारी उप निरीक्षक श्री सुनील सेमर एवं अधीनस्थ बल सहित महिलाओं की शिकायत पर उनसे संपर्क कर शिकायती स्थल पर तलाशी ली गयी, जिसमें कोई मदिरा बरामद नहीं हुई। जिले के वृत अम्बाह अंतर्गत ग्राम महुआ में प्रभारी अधिकारी श्री विजय कुमार सेन, सहायक जिला आबकारी अधिकारी द्वारा अवैध रूप से शराब बेच रहे आरोपी कमलेश कुशवाह से अवैध शराब जप्त कर आरोपी के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक का गोल्डन अवतार ने लुटा फैंस का दिल, फोटो देखकर डोल उठेगा दिल

भोजपुरी सिनेमा की जानी मानी अदाकारा नेहा मलिक अपनी खूबसूरती से हर किसी का दिल जीतने को बेताब रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज फैंस को खूब भाता है। वहीं, एक्ट्रेस का फेस्टिव लुक देखकर फैंस बेकरार नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस का गोल्डन आउटफिट में लुक कहर बरपा रहा है। उनकी हर अदाएगी पर फैंस मर मिटने को तैयार हैं। फेस्टिव आउटफिट में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने गोल्डन लहंगा चोली पहन रखी हैं। इस लुक में नेहा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। माथे पर गोल्डन टीका और गले में हार एक्ट्रेस नेहा मलिक के लुक को चार चांद लगा रहा है। डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस का ये मदमस्त अंदाज फैंस को काफी भा रहा है। एक्ट्रेस नेहा मलिक इस आउटफिट में अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। जिसे देखकर फैंस बेकाबू हो रहे हैं। खूबसूरती के मामले में बड़ी-बड़ी एक्ट्रेस को टक्कर देती हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक अपने ग्लैमरस अंदाज से बिजलियां गिराती रहती हैं। साथ ही वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक और खेसारी लाल का सॉन्ग तेरे मेरे दरमियान हाल ही में रिलीज हुआ। जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। फैंस उनकी एक-एक तस्वीर का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। वहीं, नेहा मलिक अपने फैंस के दिलों की धड़कनों का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं। नेहा मलिक ने साल 2016 में भोजपुरी फिल्म 'भनवानी का जल' से डेब्यू किया था। नेहा मूल रूप से पंजाब की रहने वाली हैं। लेकिन, भोजपुरी इंडस्ट्री में इनका अलग ही जलवा कायम है। नेहा मलिक की इंस्टाग्राम पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उनके इंस्टा अकाउंट पर 3.3 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

लारा दत्ता ने मेनोपॉज को लेकर रखे अपने विचार

अभिनेत्री लारा दत्ता, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग शो हिचक्स एंड हुकअप्स में देखा गया था, का मानना है कि भारत में महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं, विशेष रूप से प्रजनन स्वास्थ्य तक उचित पहुंच नहीं है। मेनोपॉज एक महिला के दैनिक जीवन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है। फिर भी, इस विषय पर बातचीत सीमित है। अभिनेत्री ने हाल ही में मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। अभिनेता ने एक बयान में कहा, मंच पर होना और डॉक्टरों के पैनल को सुनना मेरे लिए भी एक आंख खोलने वाला रहा है। मुझे यह तब भी पता है जब मैं संयुक्त राष्ट्र के लिए एक सद्भावना राजदूत थी - कि महिलाओं का स्वास्थ्य और कल्याण मुश्किल से ही होता है जिस तरह से चर्चा की जानी चाहिए। हमारे देश में, दुर्भाग्य से, अधिकांश महिलाओं के पास प्रजनन स्वास्थ्य तक उचित शारीरिक और चिकित्सा स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच नहीं है। बाकी सब भूल जाओ। कार्यक्रम का आयोजन फार्मा कंपनी एबॉट ने किया था। अभिनेत्री ने कहा, मेनोपॉज एक प्राथमिकता के रूप में वापस आ गया है। मुझे लगता है कि यह वास्तव में शानदार है कि एबॉट जैसी बड़ी फार्मा कंपनियां आज ये पहल कर रही हैं और जानकारी को सुलभ बना रही हैं। जैसा कि हमने आज चर्चा की यह अगले अध्याय के बारे में है। और लास्ट चैप्टर नहीं। कहानियां ही बातचीत को आगे बढ़ाती हैं, ऐसे विषयों पर शो और फिल्में निश्चित रूप से बनाई जानी चाहिए।

भेड़िया की ठुमकेश्वरी में थिरकती नजर आई श्रद्धा कपूर

भेड़िये एक स्वर में गरज रहे हैं क्योंकि परम सुंदरी के बाद कृति सैनन अपनी आने वाली फिल्म भेड़िया के पहले गाने ठुमकेश्वरी पर थिरकने के लिए वापस आ गई है। फंकी डांस नंबर वरुण धवन और कृति सैनन को गणेश आचार्य की कोरियोग्राफी के लिए झूमते हुए देखता है। लेकिन, गाने का सबसे बड़ा टेकअवे श्रद्धा कपूर हैं, जो उत्साहित करने वाले नंबर पर थिरकती हैं। ट्रैक पर अपने विचार साझा करते हुए, वरुण धवन ने एक बयान में कहा, ठुमकेश्वरी एक ऐसा नंबर है जिसे डांस फ्लोर को जलाने के लिए बनाया गया है। मुझे इसकी फंकी धुन पर प्रदर्शन करने में बहुत मजा आया। गाने के बोल एक आकर्षक आनंद हैं, और मुझे यकीन है कि प्रशंसकों के लिए ट्रैक पर नाचते हुए गाला टाइम होने वाला है। भेड़िया निर्माता दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी से संबंधित है और गाने में शामिल श्रद्धा दर्शकों को स्त्री के दिनों में वापस ले जाती है और गाने में उनकी इस उपस्थिति के पीछे दर्शकों की रुचि को चित्रित करती है और यदि वह फिल्म में एक कैमियो भी होगा। गाने पर काम करने के बारे में, कृति ने कहा, मेरे पास थुमकेश्वरी की शूटिंग पूरी तरह से थी। मैं बहुत लंबे समय के बाद वरुण के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर रही थी और हमने कभी भी इस तरह के भव्य ट्रैक पर एक साथ काम नहीं किया। यह काफी अच्छा था। सचिन-जिगर द्वारा रचित और अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखित, जिन्होंने परम सुंदरी के लिए गीत भी लिखे हैं, तुमकेश्वरी ऐश किंग और रश्मीत कौर के साथ खुद संगीत निर्देशकों द्वारा गाया गया एक पेपी नंबर है। जियो स्टूडियोज और दिनेश विजन द्वारा प्रस्तुत, भेड़िया एक मैडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन है, जिसका निर्देशन अमर कौशिक ने किया है, जिसे दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म, जिसमें दीपक डोबरियाल और अभिषेक बनर्जी भी हैं, 25 नवंबर को हिंदी, तेलुगु और तमिल में 2डी और 3डी में अखिल भारतीय रिलीज होगी।

थैंक गॉड के डायरेक्टर इंद्र कुमार ने अजय देवगन को लेकर दिया बड़ा बयान

निर्देशक इंद्र कुमार, जो बेटा, राजा, ग्रैंड मस्ती जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह के साथ अपनी अगली फंतासी कॉमेडी ड्रामा थैंक गॉड के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अजय के साथ अपने मैत्रीपूर्ण बंधन के बारे में साझा किया और वे दोनों एक-दूसरे के काम का कितना सम्मान करते हैं। इंद्र ने यह भी बताया कि कैसे अजय ने फिल्म का हिस्सा बनने के उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जो एक रियल एस्टेट ब्रोकर के बारे में है, जो एक दुर्घटना के साथ मिला और जब वह उठा, तो उसने खुद को स्वर्ग में पाया। लेकिन भगवान ने उसे एक खेल खेलने के लिए कहा और अगर

वह जीत गया, तो वह वापस धरती पर जा सकता है। निर्देशक ने कहा, मैं जब भी उनके पास स्क्रिप्ट लेकर जाता हूं तो वह मुझे देखते हैं और फिल्म करने के लिए हां कहते हैं। वह स्क्रिप्ट भी नहीं पढ़ते हैं। थैंक गॉड की कास्ट अपनी फिल्म का प्रमोशन करने के लिए रियलिटी शो द कपिल शर्मा शो में आ रही है और होस्ट से बातचीत के दौरान सेट से अलग-अलग किस्से और घटनाओं का खुलासा करते हैं। कपिल ने कहा, यह विश्वास है क्योंकि आपने कई यादगार फिल्में बनाई हैं। बाद में, रकुल ने महामारी के समय में भी अथक रूप से फिल्म की शूटिंग के लिए निर्देशक की प्रशंसा की। रकुल ने कहा, वह सबसे कम उम्र के निर्देशक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है। हमने कोविड के दौरान अंदर और बाहर शूटिंग की लेकिन उन्हें कोई डर नहीं था और उनके पास जो ऊर्जा थी वह सराहनीय थी। वह अपनी पूरी ऊर्जा के साथ शूटिंग के लिए हमेशा तैयार रहते थे।

आज, मैंने एक वन्यजीव के रूप में एक साल पूरा किया है: अभिनेत्री सदा

वन्यजीव फोटोग्राफी को बड़े पैमाने पर अपनाने वाली अभिनेत्री सदा ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने वन्यजीवन के रूप में एक साल पूरा कर लिया है। घोषणा करने के लिए इंस्टाग्राम पर निर्देशक शंकर की अन्नियां सहित कई ब्लॉकबस्टर में अभिनय करने वाली अभिनेत्री ने लिखा, आज, मैंने एक वन्यजीव के रूप में एक वर्ष पूरा किया है और यह उस तरह की सालगिरह है जिसे मैं अपने जीवन में मनाना चाहती हूं! पिछले साल, इस दिन, मैंने एक यात्रा शुरू की थी, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह मेरा हमेशा के लिए प्यार बन जाएगा। अगर मैं पन्ना में एक फिल्म की शूटिंग नहीं कर रही होती, तो मुझे संदेह होता कि क्या मैं आज यह पोस्ट लिख रहा होती। मैं दृढ़ता से मानती हूं कि यह होना ही था। मुझे इस खूबसूरत बेरोजगार दुनिया का अनुभव करना था जो मुझे किसी और चीज से परे समृद्ध करेगी! पन्ना के जंगल में एक आकस्मिक सफारी के रूप में जो शुरू हुआ, वह जल्द ही जंगलों और वन्य जीवन के लिए एक अमर जुनून में बदल गया। नौ राष्ट्रीय उद्यानों/भंडारों और 52 बड़ी बिल्लियों की पंद्रह विषम यात्राएं, सभी एक वर्ष में! दूसरों पर निर्भर रहने से लेकर मेरे लिए जंगल में पलों को कैद करने तक, अब अपना खुद का गियर रखने तक, फोटोग्राफी की मूल बातें सीखने से लेकर अब सीखने तक छवियों को संसाधित करने की कला, मैंने एक लंबा सफर तय किया है और मैं इस अविश्वसनीय यात्रा से बहुत अधिक खुश हूं!

बालों से हेयरस्प्रे हटाने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

हेयरस्प्रे का इस्तेमाल बालों की स्टाइलिंग के दौरान किया जाता है ताकि यह बिगड़े नहीं। लेकिन बाद में अपने बालों से हेयरस्प्रे हटाना ना भूलें क्योंकि यह स्कैल्प के रोमछिद्रों में घुसकर खुजली और बालों के झड़ने जैसी कई समस्याओं का कारण बनता है। इसलिए हेयरस्प्रे को बालों से हटाना महत्वपूर्ण है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिन्हें अपनाने से आपके लिए यह काम आसान हो सकता है।

डिश सोप का करें इस्तेमाल

अगर आपने कभी ध्यान दिया हो तो आपको यह जरूर पता होगा कि हेयरस्प्रे लगाने के बाद आपस में काफी उलझ जाते हैं और ऐसा हेयरस्प्रे के बिल्डअप से होता है। इसे हटाने के लिए आप डिश सोप का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि यह आसानी से हेयरस्प्रे बिल्डअप को हटा सकते हैं। माइल्ड डिश सोप को अपने बालों पर लगाकर कंघी से फैलाएं। इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें और फिर बालों को धो लें।

बेकिंग सोडा आएगा काम

अकेले आपका नियमित शैंपू हेयरस्प्रे बिल्डअप को नहीं हटा सकता है इसलिए इसमें एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इस मिश्रण को अपने बालों पर लगाकर अच्छे से फैलाएं और इसे धोने से पहले थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। आप बेकिंग सोडा को सीधे गीले बालों और स्कैल्प पर भी लगा सकते हैं। फिर इसे शैंपू से धो भी सकते हैं।

क्लैरिफाइंग शैंपू है प्रभावी

अगर आपको हर दिन हेयरस्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ता है तो इसके बिल्डअप को हटाने के लिए एक क्लैरिफाइंग शैंपू सबसे अच्छा है। क्लैरिफाइंग शैंपू में उच्च मात्रा में एसएलएस (डिटर्जेंट) होता है जो आपके स्कैल्प से किसी भी तरह के बिल्डअप और गंदगी को आसानी से हटा सकता है। हालांकि इसे हर दिन इस्तेमाल करने से बचें।

मीठे में कुछ नया खाना है तो ट्राई करें ये पांच यूनिक चॉकलेट रेसिपी

जब भी बात चॉकलेट की आती है तो लोगों के मन में चॉकलेट केक, चॉकलेट मूस, चॉकलेट केक जैसे डेजर्ट्स का ही ख्याल आता है लेकिन इससे कई तरह की यूनिक व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं। अगर आपके घर में बच्चों से लेकर बड़ो तक को चॉकलेट से बने तरह-तरह के व्यंजन खाना पसंद है तो इन पांच यूनिक रेसिपी को जरूर ट्राई करें। इन व्यंजनों को घर पर बनाना कुछ ही मिनटों का काम है।

चॉकलेट पॉपकॉर्न: सबसे पहले एक पैन में लगभग चार बड़ी चम्मच मक्खन और आधा कप कॉर्न डालें। अब इसे ढक्कन को ढक दें और इन्हें फूटने दें। एक बार जब सारे कॉर्न पॉप हो जाएं तो इसमें लगभग तीन चौथाई कप कद्दूकस की हुई मिल्क चॉकलेट डालें। जब चॉकलेट अच्छे से पॉपकॉर्न में मिल जाएं तो इसे ढक दें। इसके बाद गरमागरम टॉकलेट पॉपकॉर्न को परोसें।

चॉकलेट समोसा: सबसे पहले एक बर्तन में मैदा, घी, बड़ी इलाइची के दाने और पानी को मिलाकर आटा गूंथ लें। इसके बाद चॉकलेट पिघलाएं और उसमें अपने पसंदीदा नट्स भूनकर मिलाएं। फिर आटे को छोटी-छोटी लोइयों में बांट लें और बेलन से प्रत्येक को चपटा कर लें। अब इन्हें काटकर कोन शेप देकर इनमें चॉकलेट मिश्रण भरें और इनके किनारों बंद कर दें। फिर इन्हें डीप फ्राई करने के बाद परोसें।

चॉकलेट रिसोट्टो: सबसे पहले एक पैन में थोड़ा मक्खन गरम करें, फिर उसमें रिसोट्टो राइस डालें और दो मिनट तक भूनें। इसके बाद इसमें थोड़ा पानी डालकर इसे पकाएं। फिर इसमें थोड़ा वनिला एसेंस डालें और जब चावल पक जाएं तो इसमें दूध मिलाएं। अब इसमें थोड़ी चीनी और डार्क चॉकलेट मिलाएं। अंत में इसमें क्रीम और संतरे का छिलका मिलाकर इसे एक मिनट तक पकाएं। फिर इसे गरमागरम परोसें।

चॉकलेट पुडिंग: इसके लिए पहले एक कटोरे में चीनी, कोकोआ पाउडर, कॉर्नस्टार्च और एक चुटकी नमक को डालकर मिलाएं, फिर मिश्रण में दूध डालकर फेंटें। अब इस मिश्रण को गरम करें और मध्यम आंच पर धीरे-धीरे हिलाते हुए उबालें और दो मिनट तक मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं। इसके बाद गैस बंद करके मिश्रण में वनिला एसेंस और मक्खन मिलाएं, फिर इस मिश्रण को छह घंटे के लिए फिज में रखने के बाद खाएं।

चॉकलेट फाइज: सबसे पहले फ्रोजन फ्रेंच फाइज को सुनहरा होने तक डीप फ्राई करें। अब एक पैन में थोड़ा शहद गरम करें और इसमें फ्राइज को डालकर अच्छे से टॉस करें। आप चाहें तो इसमें अपने पसंदीदा सूखे मेवे भी डाल सकते हैं। इसके बाद इसे एक कटोरे में निकाल लें और फाइज पर थोड़ा सा चॉकलेट सॉस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब इन यूनिक फाइज का सेवन करें।

अभिनेता जयम रवि पाए गए कोविड पॉजिटिव

निर्देशक मणिरत्नम की ब्लॉकबस्टर हिट पोन्नियिन सेलवन 1 में अरुणमोझी वर्मन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता जयम रवि जांच में कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। यह जानकारी एक्टर ने खुद दी है। ट्विटर पर जयम रवि ने कहा, आज शाम को मैंने कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया। सभी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, मैंने तुरंत खुद को आइसोलेट कर लिया है। मैं उन सभी से अनुरोध करता हूं जो मेरे संपर्क में आए हैं यदि आवश्यक हो तो खुद का परीक्षण करवाएं। मास्क लगाएं। सुरक्षित रहें! भगवान भला करे। कई हस्तियों ने रवि के वायरस से शीघ्र और पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना की है। रवि के साथ कुछ फिल्मों में काम कर चुके निर्देशक अहमद ने रवि के ट्वीट का जवाब देते हुए कहा, रवि जल्दी ठीक हो जाओ। रवि की घोषणा ने फिल्म उद्योग में उन लोगों के लिए चेतावनी है, जिन्होंने सोचा था कि कोविड अतीत की बात है। इसने अब लोगों को अपने घरों से बाहर निकलते समय मास्क नहीं पहनने के अपने पहले के फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है।

क्रिसमस से लेकर नववर्ष तक दूधिया रोशनी से सरावोर होगा लक्ष्मी गंज मुक्तिधाम, रामधुन भी सुनाई देगी

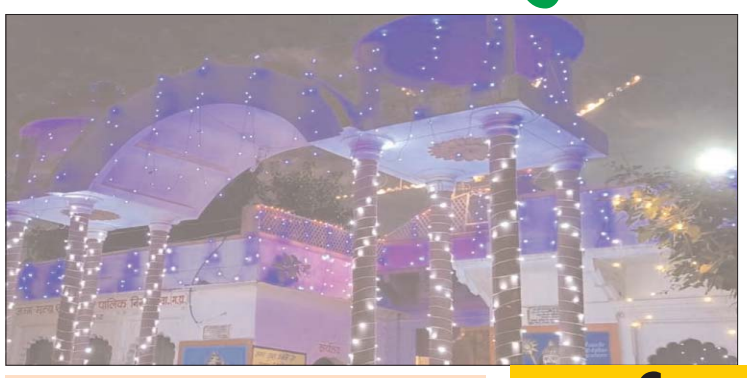

एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी एवम् शंकरा ज्योति मुक्तेश्वर महादेव के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित लक्ष्मी गंज मुक्ति धाम में समस्त दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु 8 दिवसीय राम धुन का आयोजन 25 दिसंबर क्रिसमस से लेकर नववर्ष तक मनाया जायेगा. इस अवसर पर सम्पूर्ण लक्ष्मी गंज मुक्ति धाम को सजाया जायेगा, दूधिया रोशनी भी की जायेगी. इस आयोजन की संपूर्ण जानकारी देते हुए आयोजन कर्ता शंकरा ज्योति मुक्तेश्वर महादेव चरण सेवक संजय कटठल, धीरज गोयल, डॉ मनीष रस्तोगी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सम्पूर्ण लक्ष्मी गंज मुक्ति धाम को सजाया जायेगा. दूधिया रोशनी से और पूरे 8 दिन सम्पूर्ण लक्ष्मी गंज मुक्ति धाम में भजन और रामधुन का प्रसारण ओडियो रिकार्डिंग के माध्यम से किया जायेगा. चरण सेवक संजय कटठल ने बताया कि इस आयोजन को विगत 13 साल से लागातार आयोजित किया जा रहा है. आज के इस आयोजन में में समस्त दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने हेतु 25 दिसंबर को क्रिसमस पर शाम 6 बजे सम्पूर्ण लक्ष्मी गंज मुक्ति धाम में कैंडल भी जलाई गई एवं 1 जनवरी को नववर्ष पर प्रत्येक चबुतरे पर दीप और कैंडिल भी जालाई जायेंगी.इस आयोजन में पूर्व विधायक धनश्याम पिरोनिया जी भांडेर एवं क्षेत्रीय पार्षद मुकेश धाकड़ कमल गुप्ता आदि उपस्थित थे.

मेले में अटलजी की जयंती मनाई गईं, बच्चों के लिए रखे फ्री झूले

ग्वालियर। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेले में अटल जी की जयंती एवं तुलसी पूजन पर पूजन कर फल एवं प्रशादी वितरण किया गया एवं सभी बच्चो के लिए महेन्द्र भदकारिया के झूले भी फ्री रखे गए। जिसमे मेला सचिव निरंजन लाल श्रीवास्तव एवं ग्वालियर व्यापार मेला व्यापारी संघ से महेश मुदगल, महेन्द्र भदकारिया, अनिल पुनियानी,उमेश उप्पल, कल्ली पंडित,बब्बन सेंगर, सुरेश हिरयानी,देवेंद्र गुप्ता, अरुण कैन, राजेंद्र भदोरिया, अनुज सिंह, रुपेश कैन, राहुल चौहान, ललित अग्रवाल, संतोष उपाध्याय आदि मौजूद थे।

शून्य से शिखर तक अटल ही अटल याद किया जाएगा हर पलः डॉ. देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर । पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी को आज उनके पेतृक निवास कमल सिंह का बाग शिदे की छावनी पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सह पटेल, अबधेश कौरव, सुरेन्द्र यादव, अतुल पवार, संतोष शर्मा, संजीव दीक्षित, अयुब खान, श्रीमती रानू शर्मा, सहित सभी पाषर्दो ने पुष्पांजली अर्पित कर कहा कि श्री अटल विहारी वाजपेयी जी ने शून्य से लेकर शिखर तक अपना व्यक्तित्व, मिलनसारता, ओजस्वी वक्ता का सफर तय करते हुए देश में ग्वालियर का नाम रोशन किया, ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी को हमेशा याद किया जाएगा। साथ ही आज क्रिसमस के अवसर पर चर्च पहुचंकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने भगवान ईसा मसीह के जन्म दिन पर समाज को शुभकांमनाए देते हुए भाईचारा सद्भावना के साथ मिलकर उनके आदर्षो पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कॉमल कॉन्वेंट के फादर और सिस्टर से मिलकर शुभकामनाए दी।

ऊर्जा मंत्री को केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने अपने हाथों से पहनाई चप्पलें

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को उनका संकल्प पूरा होने पर उन्हें अपने हाथों से चप्पल पहनाई। ऐसा पहली बार हुआ है कि सिंधिया ने अपने हाथों में चप्पल उठाई हों और किसी को पहनाई हों। अक्सर उनके पैर छूते ही लोग नजर आते हैं। यह देखकर लोग काफी आश्चर्यचकित हो रहे थे। हालांकि चप्पल पहनने के बाद प्रदुम्न सिंह ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया के पैर छूए। यह सब सिंधु विहार कालोनी में अटलजी की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ।

गौरव दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर आए हुए हैं। हालांकि कार्यक्रम शाम को होना है, लेकिन इससे पहले सिंधु विहार कालोनी में अटलजी की याद में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सिंधिया शिरकत करने पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान ही मंच पर उन्होंने संकल्प पूरा होने पर चप्पलें मंगवाई और ऊर्जा मंत्री के पैरों में अपने हाथों से पहनाया। जब सिंधिया चप्पल पहना रहे थे तो ऊर्जा मंत्री ने मना किया और कहा कि वे पहन लेंगे, लेकिन सिंधिया ने उन्हें चप्पल पहना ही दी। इसके बाद ऊर्जा मंत्री ने केंद्रीय मंत्री के पैर छुए और आशीर्वाद लिया। उल्लेखनीय है कि फूलबाग से सेवानगर रोड, गेंडे वाली सड़क आदि की हालत खराब थी और इनका निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ था और लोग परेशान थे। क्षेत्र भ्रमण के दौरान लोगों ने इस समस्या को लेकर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर से भी शिकायत की। इसके बाद प्रद्युम्न सिंह तोमर ने संकल्प लिया था कि जब तक इन सड़कों का निर्माण

कार्य पूरा नहीं हो जाता तब तक वे जूता चप्पल नहीं पहनेंगे। ऊर्जा मंत्री के संकल्प लेने के बाद अफसर हरकत में आए और उन्होंने सड़कों के निर्माण कार्य को तेज किया और उसे पूरा किया। अब तकरीबन सड़कों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसलिए ऊर्जा मंत्री का संकल्प भी पूरा हो गया।

अटलजी की जन्म जयंती बड़े हर्ष उल्लास से मनाई गईं

श्री दद्दा जी कल्चर सेंटर, मतँगेश्वर सेवा समिति के सदस्य पंडित सुधीर शर्मा व सुरेंद्र गुप्ता के सयुक्त तत्वाधान में भारत रतन पडित अटल विहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती बड़े हर्ष उल्लास से मनाई गई। इस अवसर पंडित सुधीर शर्मा द्वारा चित्रकूट प्रवास पर आए अटल जी का संस्मरण उपस्थित जन समूह को सुनाया। शर्मा ने बताया की जब वे श्री नाना जी देशमुख आरोग्य धाम में भोजन के लिए कुर्सी टेबल डाली गईं तब उन्होंने यह कहकर अलग कर दिया कि जिस स्थान पर नाना जी देश मुख खाया करते थे उस स्थान पर मै कुर्सी टेबल पर कैसे बैठ सकता हूँ। उन्होंने नदिता दीदी से पूछ कि वे किस स्थान पर बैठा करते थे तब उनके द्वारा बताए गए स्थान पर वे जमीन पर खाने के लिए बैठ गए। इस अवसर पर अटल रतन से सम्मानित कवि इंद्रजीत विरल द्वारा कविता वाचन किया गया। कार्यक्रम मै भाजपा अनुसूचित जन जाती के जिला अध्यक्ष राममिलन आदिवासी जी, खजुराहो मण्डल महा मंत्री विजय राज जी, व्यापार संघ के अध्यक्ष नरेश सोनी जी, आधार संस्था की समाज सेवी सुमन एवं मीरा,ए एस आई के सुरक्षा कमानडेंट अखिलेश शुक्ला वूंदेलखंड विकास निधि के श्री विजय रजक, रामस्वरूप अहिरवार, महेश अहिरवार, पत्रकार बंधु तुलसीदास सोनी एवं विनोद भारती एवं कई समाज सेवी संस्थाएं उपस्थित रही।

ष्टरूबोले-ग्वालियर विकास में इंदौर-भोपाल के पीछे छोड़ेगा, स्वच्छता का संकल्प आप लो

ग्वालियर। ग्वालियर गौरव दिवस पर ष्टरूशिवराज सिंह चौहान ने साफ शब्दों में कहा है कि अटल जैसे शख्सियत न थी न आएगी। वह ऐसे नेता था जिनका कोई विरोधी नहीं था। विपक्षी भी उनका सम्मान करते थे। मंच से ष्टरू शिवराज ने साफ शब्दों में कहा कि अटल जी का ग्वालियर विकास के पथ पर तेजी से चल रहा है। ग्वालियर विकास में भोपाल-इंदौर को पीछे छोड़ेगा। मैं वादा करता हूं विकास में ग्वालियर को नंबर एक में और केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया बनाएंगे, लेकिन स्वच्छता में नंबर वन बनाने का संकल्प आप लें। ग्वालियर क्यों स्वच्छता में नंबर वन नहीं बन सकता। आप चाहें तो सब हो सकता है। इस मौके पर मंच से ष्टरूशिवराज ने ग्वालियर के चार्ट जिसमें विभिन्न प्रकार की कचौड़ियों, करेला चार्ट के बेडई, मंगोड़े के साथ ही बहादुरा के लड्डुओं का जिक्र किया।

अटल स्मारक को भव्य बनाने का किया ऐलान- ग्वालियर गौरव दिवस के अवसर पर ष्टरू शिवराज ने ग्वालियर में एक भव्य अटल स्मारक बनाने की बात को दोहराया है। उन्होंने कहा कि इस भव्य बनाएंगे। इसके लिए जल्दी डीपीआर तैयार की जाएगी और उसे हम अंतिम रूप देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अटल जी हिंदी प्रेमी थे। उन्होंने अमेरिका में भी सबसे पहले हिंदी में भाषण दिया था। पर कुछ दल आज भी गुलाम मानसिकता में घिरे हैं। पर हम प्रदेश में हिंदी के महत्व को बड़ाते जा रहे हैं।

सिंधिया बोले-वो तब भी अटल थे आज भी अटल हैं-- ग्वालियर गौरव दिवस पर केन्द्रीय नागरिक उड्डड्यन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अटलजी ने राजनीति की नई परिभाषा स्थापित की है। उन्होंने बताया कि राजनीति सत्ता और कुर्सी का खेल नहीं है बल्कि समाज सेवा, अध्यात्म है। उनका कथन भी याद किया जब वह कहते थे कि ÷मन हार कर मैदान नहीं जीते जाते और न ही मैदान जीतकर मन जीते जाते हैं%। सिंधिया ने कहा कि मेरा उनका खून का रिश्ता नहीं था, लेकिन उससे कम नहीं है। जब उनके निधन का समाचार सुना था तब मैं कांग्रेस में था। एक सभा संबोधित कर रहा था। जैसे ही बीच में अटलजी के गुजर जाने का समाचार मिला तो वहीं सभा स्थगित कर श्रृद्धांजलि दी। वो तब भी अटल थे और आज भी अटल हैं।

नरेन्द्र तोमर ने कहा-अटल जी की ऊंचाई का आंकलन शब्दों में करना मुश्किल-- ग्वालियर गौरव दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने अटल जी के साथ बिताए समय को याद किया। उन्होंने कहा कि अटल जी की ऊंचाई का आंकन शब्दों में करना किसी भी बड़े साहित्यकार के लिए मुश्किल है। ग्वालियर एक ऐतिहासिक शहर है और अटलजी ने इसी भूमि पर जन्म लिया है। कृषि मंत्री तोमर ने कहा कि अटल जी कहते थे कि मनुष्य से बड़ा कोई नहीं और मनुष्य के मन से बड़ा कोई नहीं, लेकिन छोटे मन और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं हो सकता।

उस्ताद अमजद अली देंगे प्रस्तुति-गौरव दिवस पर होने वाले कार्यक्रम में विश्व विख्यात सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खां एवं उनके सुपुत्र अमान अली व अयान अली की प्रस्तुतितियां होगी। साथ ही अनुराधा पोडवाल एवं उनके साथ आ रहे सारेगामा फेम कलाकारों की प्रस्तुतितियां भी होगीं। इस अवसर पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन भी होगा। समारोह में विख्यात राष्ट्रीय कवि हरिओम पवार को अटल सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। साथ ही 5 विभिन्न विधाओं में ग्वालियर गौरव सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

कवि सम्मेलन में यह कवि करेंगे शिरकत-अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के प्रख्यात कवियों द्वारा काव्यपाठ किया जाएगा। कवि सम्मेलन में डॉ. हरिओम पवार मेरठ, विनीत चौहान अलवर, डॉ. प्रवीण शुक्ल दिल्ली, पूनम वर्मा मथुरा, दिनेश रघुवंशी फरीदाबाद, अंजुम रहबर भोपाल, दिनेश मिश्रा मुंबई, शशीकांत यादव देवास, मदनमोहन दानिश ग्वालियर एवं तेजनारायण बेचैन काव्यपाठ करेंगे।

किलो हरे चारे की गौभोग सेवा

बजरंग भक्त मंडल द्वारा निरंतर की जाने वाली गौभोग सेवा के क्रम में आज रविवार दिनांक 25/12/22 को 600 किलो हरे चारे (लूसन) की गौभोग सेवा मार्क हॉस्पिटल गौशाला, गोला का मंदिर ग्वालियर पर मंडल के सदस्यों के सहयोग से की गई7 मंडल ने सर्दी से गौवंश के बचाब हेतु निगम प्रसाशन द्वारा की गई त्रिपाल की व्यवस्था के लिए आभार व्यक्त किया है एवं मंडल अध्यक्ष ने आमजन से पॉलीथिन का उपयोग न करने, गौसेवा को सर्दी से बचाने के उपाय करने एवं गौसेवा से जु?ने की अपील की है। आज की गौभोग सेवा में मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल,उपाध्यक्ष अमन गर्ग,सचिव राकेश मंगल ,सह सचिव जितेंद्र चंदेल,कार्यकारिणी सदस्य विशाल अग्रवाल,नमन अवस्थी,मनीष राय, कौशल अग्रवाल,राम किशोर मंगल,आदि सदस्य उपस्थित थे।

पार्टी कार्यकर्ता कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी की तरह : डॉ. सतीश सिकरवार

ग्वालियर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष एवं ग्रामीण कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह ने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि अपना बूथ सबसे मजबूत करते हुये उन लोगों को करारा जबाब देना है, जिन्होंने भाजपा से पैसे खाकर कांग्रेस की सरकार गिराई। आप सब कार्यकर्ता अभी से विधानसभा चुनाव जीतने के लिये प्रण-प्राण से जुट जायें। मतदाता आज भी कांग्रेस के साथ है और कांग्रेस की सरकार चाहते है, क्योंकि भाजपा सरकार ने महगांई,

अपना बूथ सबसे मजबूत करें: अशोक सिंह

बैरोजगारी और भष्टाचार को बढावा देकर आम आदमी को परेशानी में डाल दिया है। विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता कांग्रेस की रीढ की हड्डी की तरह है और मेरा सभी से आग्रह है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा मतदान केन्द्र स्तर पर जो भी कार्यक्रम दिये जा रहे है, उन्हे अमलीजामा पहनाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा से देश भर में कांग्रेस पार्टी भाईचारे और सद्भाव का संदेश दे रही है। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा की करनी और कथनी को उजागर करने के लिये हर क्षेत्र के गली-मौहल्लें में जायेगी।

ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता समागम कार्यक्रम में ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर, जिला एवं अन्य सहयोगी संगठनों के पदाधिकारी व वरिष्ठ नेतागण मौजूद रहे। यहां गैलेक्सी गार्डन थाठीपुर में हुई बृहद बैठक में महापौर श्रीमती डॉ. शोभा सिकरवार, पूर्व सांसद रामसेबक सिंह बाबूजी, प्रदेश महासचिव दुष्यंत साहनी, प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, प्रदेश सचिव राकेश पाराशर, वरिष्ठ नेत्री श्रीमती रश्मि परिहार, श्रीमती निर्मला तिवारी, वरिष्ठ नेता जयराज चौहान, कार्यकारी जिलाध्यक्ष महाराज सिंह पटेल, चतुर्भुज धनोलिया, वरिष्ठ नेता बलवीर सिंह तोमर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती मीनू परिहार, युवा कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह भदौरिया, सेवादल अध्यक्ष हरेन्द्र गुर्जर, वरिष्ठ नेत्री श्रीमती वीणा भारद्वाज, श्रीमती सीमा समाधिया, एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष शिवराज यादव, आई.टी. सेल अध्यक्ष आदित्य सेंगर आदि मंचासीन रहे। कार्यक्रम का

संचालन एम.आई.सी. सदस्य अवधेश कौरव एवं आभार जिला संगठन मंत्री व विधानसभा प्रभारी सुरेन्द्र यादव ने किया। बैठक को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि देश भर में राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा को भरपूर जन समर्थन मिल रहा है, जो बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगें और प्रदेश में सरकार बनायेगें, साथ ही ग्वालियर-चंबल संभाग की सभी सीटें कांग्रेस जीतेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता अपना बूथ करें मजबूत के संकल्प को लेकर चुनाव तैयारी में जुट जायें। विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि गांधी चौपाल और हाथ से हाथ जोडो कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सभी कार्यकर्ता प्रण-प्राण से जुटे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अराजकता और नफरत का माहौल बनाया है, मगर राहुल गांधी की पदयात्रा ने प्रेम और सद्भाव का वातावरण बनाया है। हमें अपने-अपने मतदान केन्द्रो पर मतदाता सूची के अनुसार तैयारी करना है और समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति की समस्या का समाधान करने के लिये कोई कसर नहीं छोडनी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कमलनाथ जी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी से हाथ से हाथ जोडो कार्यक्रम शुरू होगा, इसके लिये जिसे भी जो दायित्व सौंपा जाये उसका निर्वहन सम्पर्ण भाव से पूरा करें। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष राकेश गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष प्रेमसिंह यादव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, ब्लॉक अध्यक्ष पप्पू श्रीवास आदि ने भी विचार व्यक्त किये और सभी ने हाथ खडे कर कांग्रेस की जीत के लिये संकल्प लिया। बैठक में महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्रीमती चंदन शर्मा, पार्षद श्रीमती कमलेश बलवीर तोमर, पार्षद सुरेन्द्र साहू, पार्षद केदार बरहादिया, पार्षद प्रमोद खरे, पार्षद श्रीमती गायत्री सुधीर मंडेलिया, पार्षद अंकित कठठल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेन्द्र नाती आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478